सुविचार

जो व्यक्ति श्रम नहीं करता, देवता भी उसका भला नहीं कर सकते हैं।

हिंदी दैनिक

द फोटोन न्यूज

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● सोमवार, 24 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 98 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

08

राखी सावंत को लारेंस बिश्नोई गैंग ने दी धमकी

शेयर बाजार

संसेक्स	:	58,237.85
निफ्टी	:	17,154.30

सर्राफा

सोना	:	5400
चांदी	:	68.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी को धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोच्चि सिटी पुलिस कमिश्नर के सेतु रमन ने रविवार को इसकी जानकारी दी। के सेतु रमन ने बताय कि पीएम मोदी को धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी जेवियर को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि धमकी देने की वजह नीजि दुश्मनी थी। दरअसल, आरोपी ने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि पड़ोसी से उसकी नीजि दुश्मनी थी और वो पीएम मोदी को पत्र के जरिए धमकी देकर उसे फंसाना चाहता था। के सेतु रमन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को फोरेंसिक की मदद से ढूंढ निकाला। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कोच्चि दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। 2060 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके तहत दोपहर 2 बजे से ट्रैफिक कंट्रोल भी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के रोड शो में 15,000 और युवम-23 कार्यक्रम में 20,000 लोगों के आने की उम्मीद है। युवम-23 के प्रतिभागी केवल मोबाइल फोन ला सकते हैं।

भारत में कोविड-19 के 10,112 नए केस मिले

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को कोरोना के मामलों में गिरावट देखी गई। शनिवार को 12,193 नए केस मिले थे। पिछले 24 घंटों में 10,112 नए मामले दर्ज किए गए है। हालांकि सक्रिय मामलों की संख्या 67,806 हो गई, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है। सक्रिय मामलों की संख्या 67,806 है, जबकि पिछले 24 घंटों में ठीक होने वालों की कुल संख्या 9,833 दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को 1,515 कोरोना के केस मिले। वहीं, दिल्ली में कोरोना पॉजिटिविटी रेट 26 फीसदी के पार पहुंच गया है। कोरोना संक्रमण के लिहाज से ये दर काफी चिंताजनक है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र में शनिवार को 850 नए कोरोनोवायरस मामले और चार मौतें दर्ज की गईं। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार राज्य का कोविड -19 टैली बढ़कर 81,61,349 हो गया और मरने वालों की संख्या 1,48,502 हो गई।

ट्विटर ने फिर बहाल किए दिग्गजों के ब्लू टिक

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मंच ट्विटर ने करोड़ों फॉलोअर्स वाले कई चर्चित हस्तियों का ब्लू टिक (वेरिफिकेशन बैज) बहाल कर दिया है। इनमें अमिताभ बच्चन, राहुल गांधी, सचिन तेंदुलकर जैसी हस्तियां शामिल हैं। कुछ दिन पहले ही कंपनी ने भुगतान नहीं करने वाले खातों के ब्लू टिक हटा दिए थे। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसी सप्ताह शाहरुख खान और सलमान खान से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसी चर्चित हस्तियों और राजनीतिज्ञों के ट्विटर खातों से ब्लू टिक हटा दिए गए थे। ट्विटर के मालिक एलन मस्क की माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने इसी सप्ताह शुल्क नहीं चुकाने वाले खातों के ब्लू टिक हटाने शुरू कर दिए थे। अब कई चर्चित हस्तियों के ट्विटर खातों पर ब्लू टिक आश्चर्यजनक रूप से वापस आ गए हैं।

कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह गिरफ्तार

◆रूप बदलकर 36 दिन से पुलिस को छका रहा था◆पंजाब के कई जिलों में हाई अलर्ट

एजेंसी, मोगा।

कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह को पंजाब के मोगा जिले से रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। किसी को भी राज्य का माहौल खराब नहीं करने दिया जाएगा। पंजाब पुलिस के आईजी सुखचैन गिल ने कहा कि अमृतपाल को रोडे गांव में स्थित गुरुद्वारे से सुबह 6.45 बजे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और इंटेलिजेंस के जाइंट ऑपरेशन में यह गिरफ्तारी एनएसए के तहत हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे पास खास जानकारी थी जिसमें हमको पता था कि अमृतपाल रोडे गांव के गुरुद्वारे में मौजूद है। हमने गुरुद्वारा साहिब की मयार्दा को रखते हुए उसको गिरफ्तार किया। उसको गिरफ्तार करने के बाद उसे असम की डिब्रूगढ़ रवाना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर अमृतपाल की गिरफ्तारी की गई। उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल ले जाया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान ना देने की अपील की है। शांति व्यवस्था हमारी प्राथमिकता है। इससे पहले पंजाब पुलिस ने ट्वीट किया कि अमृतपाल सिंह को मोगा में गिरफ्तार किया गया है और उसने लोगों से शांति एवं सौहार्द्र बनाए रखने का अनुरोध किया। ट्वीट में कहा गया है कि कोई फर्जी खबर साझा न करें, हमेशा पुष्टि करें और फिर साझा करें। सोशल मीडिया पर अमृतपाल को हिरासत में लिए जाने की कुछ तस्वीरें सामने आई है और इनमें उसे पारंपरिक सफेद वस्त्र पहने हुए देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में अमृतपाल सिंह एक गुरुद्वारे में कथित तौर पर सभा को संबोधित कर रहा है और कह रहा है कि वह आत्मसमर्पण कर रहा है। अमृतपाल तथा उसके साथियों पर विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्य पैदा करने, हत्या का प्रयास करने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और लोक सेवकों के काम में बाधा पैदा करने से जुड़े कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उल्लेखनीय है कि अमृतपाल 18 मार्च को अजनाला कांड के बाद से फरार था। कई राज्यों में पुलिस उसे तलाश रही थी। वह लगातार रूप बदलकर पुलिस को छका रहा था। अमृतपाल तथा उसके साथियों पर विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्य पैदा करने, हत्या का प्रयास करने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और लोक सेवकों के काम में बाधा पैदा करने से जुड़े कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

भिंडरावाले के गांव के पास किया सरेंडर : अमृतपाल को जिस रोडे गांव से पकड़ा गया है, वहीं जरनैल सिंह भिंडरांवाला का जन्म हुआ था। वारिस पंजाब दे का प्रमुख बनने के लिए यहीं उसकी दस्तारबंदी हुई थी। अमृतपाल समर्थकों की भीड़ के साथ सरेंडर करके शक्ति प्रदर्शन करना चाहता था। इसके लिए रविवार का दिन चुना गया था। अमृतपाल के करीबियों ने ही पंजाब पुलिस को उसके सरेंडर प्लान के बारे में बताया था। पुलिस को आशंका थी कि भीड़ जमा होने पर माहौल बिगड़ सकता है। लिहाजा पुलिस टीम सादे कपड़ों में पहुंची और सुबह ही उसे गिरफ्तार कर लिया। वारिस पंजाब दे का चीफ और खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल को असम के डिब्रूगढ़ जेल में हाई सिक्योरिटी वाले आइसोलेशन सेल में रखा गया है। उस पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। इस जेल में अमृतपाल के 9 साथी भी बंद हैं। जेल प्रशासन ने ऐसा इंतजाम किया है कि उनकी मुलाकात भी नहीं हो सकेगी। कागजी कार्रवाई के बाद खुफिया एजेंसियां उससे पूछताछ में जुट गई हैं। अमृतपाल सिंह 18 मार्च से पंजाब पुलिस से बच रहा था। जेल के सीनियर अधिकारी ने बताया कि अमृतपाल को उसके साथियों से दूर एक अलग सेल में रखा गया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) और अन्य केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की एक टीम अमृतपाल से पूछताछ करने के लिए डिब्रूगढ़ जेल जल्द पहुंचेगी।

अमृतपाल से उसके मददगारों, फंडिंग आदि के बारें में सवाल किए जाएंगे। खुफिया एजेंसियों को पाकिस्तान और अन्य देशों में बैठे भारत विरोधी लोगों से उसके संबंधों की जानकारी मिली है।

जेल के बाहर अर्धसैनिक बल मुस्तैद : असम पुलिस को जेल परिसर के आसपास सुरक्षा कड़ी करने और जेल में आने वाले लोगों की पूरी तरह से तलाशी लेने और उनके विवरण को रिकॉर्ड में रखने के लिए कहा गया है। राज्य पुलिस के अलावा, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को भी जेल के बाहर तैनात किया गया है। अमृतपाल 36 दिन बाद रविवार सुबह मोगा जिले के एक गुरुद्वारे से गिरफ्तार किया गया। उसने गिरफ्तारी से पहले गुरुद्वारे में उपदेश भी दिया था। पंजाब पुलिस की एक टीम उसे चार्टर्ड प्लेन से डिब्रूगढ़ ले गई। जहां मेडिकल परीक्षण के बाद उसे एक कोठरी में रखा गया है। अमृतपाल 18 मार्च से फरार था। इसके बाद पुलिस लगातार अमृतपाल की तलाश में जुटी थी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा 11 मार्च को संभावित जेलब्रेक और अजनाला की घटना को दोहराने पर चिंता जताए जाने के बाद अमृतपाल सिंह के सहयोगियों को पंजाब से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया था।

पूरी रात नहीं सोया : भगवंत मान

पंजाब पुलिस भगोड़ा अमृतपाल को लेकर डिब्रूगढ़ पहुंच गई है। उसे यहां की जेल में रखा जाएगा। पंजाब पुलिस ने मोगा गुरुद्वारे से उसे गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद अमृतसर और फिर बठिंडा से स्पेशल प्लेन से डिब्रूगढ़ ले जाया गया। गिरफ्तारी के बाद मोगा में तनाव है, पुलिस फोर्स तैनात की गई है। इस बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा है कि आज अमृतपाल सिंह 35 दिन बाद गिरफ्तार किया गाय। जो लोग देश की अमन-शांति, कानून को तोड़ने की कोशिश करेंगे सिर्फ उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। भगवंत मान ने बताया कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन को लेकर उनके पास रात में ही खबर आ गई थी। हर आधे घंटे में ऑपरेशन की जानकारी ली। मैं पूरी रात नहीं सोया। हम 18 मार्च से अमृतपाल को ढूंढ रहे थे। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। उन्होंने कहा। कुछ लोग शांति भंग करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने काफी संयम से काम लिया। आज अमृतपाल को गिरफ्तार किया गया। हम एजेंडा पॉलिटिक्स नहीं करते।

पंजाब के अमन चैन के लिए हम वचनबद्ध हैं : केजरीवाल

अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी बयान दिया है। केजरीवाल ने अपने ट्विटर पर लिखा, पंजाब के अमन चैन और सुरक्षा के लिए हम वचनबध है। इसके लिए कठोर निर्णय लेने को भी हम तैयार हैं सीएम भगवंत मान ने इस मिशन को परिपक्वता और साहस से पूरा किया। बिना किसी रक्तपात और गोली चलाये पंजाब पुलिस ने कामयाबी हासिल की। इस दौरान शांति बनाए रखने और पंजाब सरकार का साथ देने के लिए जनता का बहुत बहुत शुक्रिया। चर्चा में आने से कुछ महीने पहले ही वह दुबई से लौटा था। वारिस संगठन दे स को पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू ने बनाया था।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने मान्यता के विरोध में प्रस्ताव किया पारित

समलैंगिक विवाह अस्वीकार्य

एजेंसी, नई दिल्ली।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिए जाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में है। चीफ जस्टिस डीआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। इस बीच रविवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया इसके विरोध में उतर आया है। बीसीआई ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने का विरोध करते हुए प्रस्ताव पारित किया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि संयुक्त बैठक की सर्वसम्मत राय है कि समलैंगिक विवाह के मुद्दे की संवेदनशीलता को देखते हुए, विविध सामाजिक-धार्मिक पृष्ठभूमि के हितधारकों के एक स्पेक्ट्रम को ध्यान में रखते हुए, यह सलाह दी जाती है कि यह सक्षम विधायिका द्वारा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक समूहों को शामिल करते हुए एक विस्तृत परामर्श प्रक्रिया के बाद निपटाया जाए। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि देश के सामाजिक-धार्मिक ढांचे को देखते हुए हमने सोचा कि यह (समान-लिंग विवाह) हमारी संस्कृति के खिलाफ है। इस तरह के फैसले अदालतों द्वारा नहीं लिए जाएंगे। इस तरह के कदम कानून की प्रक्रिया से आने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल को लगातार तीसरे दिन की सुनवाई करते हुए आगे की बहस के लिए 13 वकीलों के नाम गिनाए थे। साथ ही कहा कि याचिकाकताओं की ओर से बहस सोमवार को खत्म होगी। इसके लिए वकील आपस में चर्चा कर समय का बंटवारा कर लें। बता दें कि इस केस में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे हैं। जबकि याचिकाकताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और अभिषेक मनु सिंघवी बहस कर रहे हैं। बता दें कि केंद्र सरकार सुनवाई का विरोध कर रही है। केंद्र सरकार ने समलैंगिक विवाह को प्रकृति के खिलाफ बताया है। याचिकाओं पर सीजेआई की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय पीठ सुनवाई कर रही है। जिसमें न्यायमूर्ति एसके कौल, न्यायमूर्ति रवींद्र भट, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा शामिल हैं।

21 पूर्व न्यायाधीशों ने जताया था विरोध : समलैंगिक विवाह के विरोध में 29 मार्च को देश के पूर्व न्यायाधीशों के एक समूह ने चार पन्नों का एक खुला पत्र लिखा था। जिसमें 21 पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि जो लोग इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में उठा रहे हैं, हम सम्मानपूर्वक उनसे आग्रह करते हैं कि वे भारतीय समाज और संस्कृति के सर्वोत्तम हित में ऐसा करने से बचें।

देवघर जिले में बढ़ा बालू माफिया का आतंक

घाट पर तैनात चौकीदार की हत्या के बाद बिहार बॉर्डर तक छापेमारी

- पहले मारपीट कर तोड़ा हाथ फिर कनपट्टी में मारी गोली
- खीर खाने की बात कह घर से निकला था मृतक चौकीदार
- जल्द होगा मामले का खुलासा : एसपी

देवघर: झारखंड में देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र में अवैध बालू उठाव रोकने के लिए तैनात चौकीदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चौकीदार का शव बंका के मसान घाट स्थित डढ़वा नदी के किनारे पाया गया। जिस नदी घाट पर वारदात को अंजाम दिया गया। उस घाट की नीलामी नहीं हुई है और वहां से लगतार अवैध बालू का उठाव हो रहा था। पुलिस की छानबीन में मौके से एक खोखा बरामद किया गया है, जबकि मृतक का मोबाइल भी गायब है।

मृतक सिधेश्वर मिर्धा के शव को देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि हत्या से पहले कातिलों ने उनके साथ जमकर मारपीट की थी। मृतक का दाहिना हाथ भी टूटा पाया गया। गोली भी दाहिनी कनपट्टी में मारी गई है। मृतक चौकीदार की सात बेटियां और एक 10 वर्ष का लड़का है जिनमें दो बेटियों की शादी हो चुकी हैं।

मृतक चौकीदार सिधेश्वर मिर्धा की पत्नी ने दवंती देवी ने बतलाया है कि उसके पति हर रोज दढ़वा नदी स्थिति बंका मसान घाट पर अवैध बालू उठाव रोकने के लिए जाते थे। शाम चार बजे खाना खाने के लिए लौटते थे और फिर शाम 7:30 बजे दोबारा ड्यूटी पर चले जाते थे। मृतक कि पत्नी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर बाद चार बजे बोढ़निया गांव निवासी विशेश्वर यादव का मृतक के मोबाइल पर फोन आया था जिसमें उसने मृतक को खीर खाने के लिए बुलाया था। कॉल आने के बाद मृतक खीर खाने की बात कहा घर से निकला। शाम सात बजे तक वापस नहीं लौटा। जिसके बाद पत्नी नें मृतक के मोबाइल पर कॉल किया लेकिन फोन रिसिव नहीं हुआ। इतना ही नहीं, मृतक की पत्नी रात को ही फोन कर बुलाने वाले के घर भी गई थी। लेकिन, उसके घर में ताला लटका मिला। पूरी रात तलाश के बाद जब कुछ भी पता नहीं चला तो, सुबह गांव के ही कुछ लोगों नें नदी घाट किनारे मृतक का शव देखकर घरवालों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिवार के सभी लोग घटनास्थल पहुंचकर शव की पहचान की। मृतक की पत्नी ने कहा है कि एक अनजान व्यक्ति भी उनके पति को ढूंढ़ते हुए घर आया था लेकिन वह तुरंत निकल गया था।

चौकीदार को पहले भी बालू माफिया दे चुके थे धमकी

मृतक की पत्नी नें बतलाया है कि बालू माफियाओ ने पहले भी फोन कर बालू घाट पर नहीं आने की धमकी दी थी। इसके बावजूद सिधेश्वर हर रोज अपनी ड्यूटी पर जाते थे। वे अवैध बालू उठाव नहीं होने देते थे।

पुंछ हमले में आतंकियों ने किया था घातक स्टील बुलेट, स्नाइपर राइफल और ग्रेनेड लांचरों का इस्तेमाल

पुंछ में हमला करनेवाले आतंकवादियों की तलाश जारी

एजेंसी, जम्मू-कश्मीर।

सेना के उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक ट्रक पर घातक हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस हमले में 5 जवान शहीद हो गए थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राइफल्स इकाई द्वारा आयोजित इफ्तार के लिए अग्रिम इलाके के एक गांव में फलों और अन्य वस्तुओं को ले जा रहे ट्रक पर बृहस्पतिवार की शाम घात लगाकर हमला किया गया था। अधिकारियों के अनुसार इसके बाद से आतंकवादियों को पकड़ने के लिए भाटा धूरियान में व्यापक तलाश अभियान जारी है। सेना की उत्तरी कमान ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए उधमपुर स्थित कमांड हॉस्पिटल में लेफ्टिनेंट द्विवेदी की यात्रा की जानकारी साझा की, जहां उन्होंने आतंकवादी हमले में घायल हुए जवान से बातचीत की। इस ट्वीट के साथ दो तस्वीरें भी साझा की गईं।

आतंकवादियों की तलाश करती सेना ● एजेंसी

सेना ने ट्वीट किया, 'सेना के उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 20 अप्रैल 2023 को पुंछ में हुए हमले में जीवित बचे जवान से उधमपुर स्थित कमांड हॉस्पिटल में मुलाकात की और जरूरी कार्रवाई जारी होने का आश्वासन दिया।' लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने शनिवार को भाटा धूरियान में उस स्थल का दौरा किया था, जहां हमला हुआ था। यह स्थान घने जंगलों, प्राकृतिक गुफाओं और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण नियंत्रण रेखा के पार से घुसपैठ के लिए आतंकवादियों का पसंदीदा मार्ग बना हुआ है। द्विवेदी ने सेना के ट्रक पर हमला करने वाले आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इस सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और तलाश अभियान की समीक्षा की। अधिकारियों ने कहा कि पुंछ और राजौरी सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट के बीच तलाश अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि राजौरी-पुंछ राजमार्ग पर यातायात गुरुवार शाम से बाधित था, जिसे रविवार सुबह बहाल कर दिया गया। यातायात को अन्य मार्गों पर परिवर्तित किया गया था ताकि इन सीमावर्ती जिलों को जम्मू से जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के लिए 14 से 16 लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए गए लोगों में दो दंपती... पुंछ के देगवार निवासी इकबाल और उसकी पत्नी मुदिफा तथा सलाम दीन और उसकी पत्नी रशिदा शामिल हैं। एनएसजी, सेना, एनआईए और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी फिलहाल पुंछ में ही डेरा डाले हुए हैं क्योंकि इनपुट कहते हैं कि पाकपरस्त पीएएफएफ के आतंकी फिर से कुछ बड़ा कर सकते हैं। रक्षा सूत्र के अनुसार, कश्मीर में जी-20 की बैठकों को करवाए जाने की घोषणा के बाद पाकिस्तान तिलमिला उठा है और वह बजाय कश्मीर के प्रदेश के अन्य हिस्सों में आतंकी हमलों को अंजाम दिलवाकर इंटरनेशनल लेवल पर यह साबित करना चाहता है।

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर के पंखे की चपेट में आने से अधिकारी की मौत

एजेंसी, रूद्रप्रयाग।

केदारनाथ में रविवार को हेलीकॉप्टर के पंखे की चपेट में आने से एक सरकारी अधिकारी की मृत्यु हो गई। रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि हादसा दोपहर के समय केदारनाथ में जीएमवीएन हेलीपैड पर तब हुआ जब हेलीकॉप्टर में बैठने के लिए आ रहे अमित सैनी टेल रोटर की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि हादसे में सैनी की गर्दन में गंभीर चोटें आईं जिससे उनकी मृत्यु हो गई। सैनी (35) राज्य सरकार के उड्डयन विभाग से संबंधित एजेंसी उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (युकाडा) में वित्त नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे और केदारनाथ यात्रा शुरू होने से पहले हेलीकॉप्टर सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं के निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंची टीम में शामिल थे। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि अपराह्न सवा दो बजे के आसपास यह हादसा क्रिस्टल एविएशन के हेलीकॉप्टर से हुआ और उस समय टीम केदारनाथ में निरीक्षण करने के बाद वापस लौटने वाली थी। केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को खुलने हैं।

प्रधानमंत्री आज रीवा में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह में लेंगे भाग

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह में भाग लेंगे और देशभर की सभी ग्राम सभाओं और पंचायती राज संस्थाओं को संबोधित करेंगे।

आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री पंचायत स्तर पर सार्वजनिक खरीद के लिए एकीकृत ई-ग्राम स्वराज और जीईएम पोर्टल का उद्घाटन करेंगे। ई-ग्राम स्वराजझ सरकारी ई-मार्केटप्लेस एकीकरण का उद्देश्य पंचायतों को ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए जीईएम के माध्यम से अपने सामानों और सेवाओं के विपणन में सक्षम बनाना है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मध्य प्रदेश के रीवा में प्रधानमंत्री मोदी 24 अप्रैल को पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे लगभग 17,000 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फाईल फोटो।

सरकार की योजनाओं का पूर्ण लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ₹विकास की ओर साझे कदम₹ नामक एक अभियान का शुभारंभ करेंगे। अभियान का विषय समावेशी विकास होगा, जिसमें अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री लाभार्थियों को लगभग 35 लाख स्वादमित्वा संपत्ति कार्ड सौंपेंगे। कार्यक्रम के बाद देश में स्वामित्व योजना के अंतर्गत लगभग 1.25 करोड़ संपत्ति कार्ड वितरित किए जा चुके होंगे। इनमें यहां वितरित किए गए कार्ड भी शामिल हैं। 'सभी के लिए आवास' के विजन को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री, पीएम आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 4 लाख से अधिक लाभार्थियों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी लगभग 2300 करोड़ रुपये की विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। जिन परियोजनाओं को समर्पित किया जाएगा उनमें मध्य प्रदेश में शत-प्रतिशत रेल विद्युतीकरण के साथ-साथ दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ग्वालियर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास भी करेंगे।

आज चेन्नई में आईआईएम के डिस्कवरी कैंपस का उद्घाटन करेंगे सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सोमवार को चेन्नई में नेशनल टेक्नोलॉजी सेंटर फॉर पोर्ट्स, वाटरवेज एंड कोस्ट्स (एनटीसीडब्ल्यूपीसी), आईआईएम के डिस्कवरी कैंपस का उद्घाटन करेंगे। यह संस्थान देश की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल को सशक्त बना रहा है।

सागरमाला कार्यक्रम के तहत एनटीसीडब्ल्यूपीसी को 77 करोड़ रुपये की लागत से आईआईटी चेन्नई में स्थापित किया गया है। यह संस्थान मंत्रालय के लिए एक तकनीकी शाखा के रूप में कार्य करता है और पत्तन, पोत परिवहन

मंत्री सर्वानंद। ● द फोटोन न्यूज

क्षेत्र के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के समाधान उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोग उत्पादों का विकास भी करता है। इस संस्थान में सभी विषयों में पत्तन, तट, जलमार्ग क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं परामर्श स्वरूप की 2डी और 3डी जांच करने वाली सभी विश्वस्तरीय क्षमताएं मौजूद हैं।

महासागर की मॉडलिंग, तटीय और मुहाने के प्रवाह का निर्धारण करने, तलछट परिवहन, मॉर्फो डायनेमिक्स, नेविगेशन एवं कौशल, ड्रेजिंग और सिल्टेशन का अनुमान, पत्तन, पोत और तटीय इंजीनियरिंग में परामर्श - संरचनाओं और ब्रेकवाटर्स की डिजाइनिंग, स्वायत्त प्लेटफॉर्म और वाहन प्रवाह एवं ढांचा, इंटरेक्शन की प्रयोगात्मक और सीएफडी मॉडलिंग करना, विविध ढांचों की हाइड्रोडायनामिक्स, पत्तन सुविधाओं के साथ-साथ महासागर नवीकरणीय ऊर्जा जैसे कुछ क्षेत्र हैं, जिनके लिए इस संस्थान में देश के लाभ के लिए पहले से ही विशेषज्ञता विकसित की जा चुकी है।

सुदेश महतो ने किया स्वतंत्रता सेनानी जीतराम बेदिया की प्रतिमा का अनावरण

संवाददाता, रांची।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद जीतराम बेदिया के बलिदान दिवस पर रविवार को जोन्हा स्थित बरवादाग में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

इस मौके पर महतो ने कहा कि क्रांतिकारियों की माटी झारखंड ने असंख्य वीर शहीदों को जन्म दिया, जिन्होंने इस माटी के मान, सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। इतिहासकारों ने झारखंड के महानायकों को इतिहास के पन्नों में वह जगह नहीं दिया, जिसके वे असली हकदार थे। झारखंड की गौरवशाली इतिहास, वैभवशाली संस्कृति तथा गुमनाम क्रांतिकारियों की गाथा को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सभी पर है। युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से सीखने की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता, एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले झारखंड के वीर सपूतों की संघर्ष गाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर सपूत शहीद जीतराम बेदिया ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन को जो बिगुल फूंका, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

राजीव बिंदल बने हिमाचल भाजपा के नए अध्यक्ष

एजेंसी, शिमला।

राजीव बिंदल हिमाचल प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष बन गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजीव बिंदल को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की है।

पांच बार के विधायक रहे बिंदल को तीन साल के भीतर दूसरी बार प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। राजीव बिंदल से पहले सुरेश कश्यप भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाल चुके हैं। राजीव बिंदल को जनवरी 2020 में प्रदेश अध्यक्ष का जिम्मा सौंपा गया था। उस दौरान बिंदल ने प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए हिमाचल विधानसभा का

राजीव बिंदल की फाईल फोटो।

अध्यक्ष पद छोड़ा था। अपनी नियुक्ति के साढ़े चार महीने के भीतर राजीव बिंदल ने प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। स्वास्थ्य विभाग में उपकरणों की खरीद से जुड़े भ्रष्टाचार के कथित मामले के मद्देनजर बिंदल ने नैतिक आधार पर प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बाद में प्रदेश सरकार की ओर से इस मामले में उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी।

भाजपा के तेज तर्रार नेताओं में शुमार राजीव बिंदल का जन्म साल 1955 में सोलन जिले में हुआ। उन्होंने पहली बार 1995 में राजनीति में कदम रखा। साल 2000 में सोलन से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत भी दर्ज की। साल 2003 और 2007 में लगातार चुनाव जीतकर तीसरी बार विधानसभा पहुंचे। धूमल सरकार में वह स्वास्थ्य मंत्री बने। साल 2012 में सोलन विधानसभा क्षेत्र आरक्षित कर दिया गया। उसके बाद बिंदल ने सिरमौर जिले के नाहन से चुनाव लड़ा और विधानसभा पहुंचे। साल 2017 में वह नाहन से दोबारा चुनाव जीते।

नाहन से ही साल 2017 में बिंदल पांचवीं बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। 2017 में ही उन्हें हिमाचल विधानसभा का अध्यक्ष बनाया गया। लेकिन 2022 के विस चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा।

सिद्धार्थन बने हिमाचल भाजपा के संगठन मंत्री

हिमाचल भाजपा को नया संगठन मंत्री भी मिल गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सिद्धार्थन को प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया है। इससे पहले पवन राणा यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पवन राणा को दिल्ली स्थित भाजपा का संगठन महामंत्री तैनात किया है।

बाबूलाल मरांडी का दावा : रांची में दस हजार करोड़ रुपये से अधिक की जमीन की हुई महालूट

संवाददाता, रांची।

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के मुताबिक रांची में 10 हजार करोड़ से भी अधिक के जमीन लूट का खेला हुआ है. सोशल मीडिया के जरिये उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) को जमीन महाघोटाले की गहराई से जांच करने को कहा है। उनके मुताबिक इस सरकार में रांची में जबर्दस्त तरीके से जमीन लूट का कारोबार हुआ है। इडी निदेशक को जमीन महाघोटाले में कई अहम बिंदुओं पर जवाबदेह लोगों से विस्तार से पूछताछ करनी चाहिये। पर्दे के पीछे रिमोट कंट्रोल से इस धंधे में शामिल चेहरों को भी बेनकाब करना होगा। उनकी गर्दन पकड़नी होगी जिनके चलते आज झारखंड की देश-दुनिया में बदनामी हो रही है।

उन्होंने कहा कि अगर रांची जमीन गोरखधंधे के षड्यंत्र की गहराई से जांच होगी तो साहिबगंज का चर्चित 1000 करोड़ का पत्थर खान लूट घोटाला इसके सामने बौना दिखने लगेगा। रांची जमीन घोटाले में 10,000 करोड़ से भी ज्यादा का घोटाला हुआ है।

सत्ता के संरक्षण में गड़बड़ी

जानकारी देते बाबुलाल मरांडी। ● द फोटोन न्यूज

बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि हेमंत राज में रांची में हुए जमीन महाघोटाले के बारे में कई लोगों से उन्होंने बातचीत की। इस गोरखधंधे के बारे में विस्तार से समझने का प्रयास किया है। सत्ता के संरक्षण में दलालों, कुछ धन लोभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने मिलकर भ्रष्टाचार का ऐसा काम किया है, जिसकी गूंज लम्बे समय तक सुनायी देगी। इसकी जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, वैसे-वैसे कई बड़े सरकारी-गैर सरकारी लुटेरे लाईन लगाकर जेल जाते देखे जायेंगे।

कोडरमा में सरकारी पेड़ तक कटवा कर बेच खाने के मामले में हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त चार्जशीटेड आईएएस छवि रंजन को इस काम के लिये सही आदमी समझ कर लाया गया। पहला शिकार मेडिका अस्पताल के बगल वाली जमीन को बनाया गया। भारी संख्या में पुलिस के बल पर जमीन कब्जा करवाया गया।

जमीन कब्जाने की योजना की सफलता से बेईमानों का मनोबल बढ़ा। यह इतना बढ़ गया कि इन लोगों ने कागजातों में हेराफेरी कर जमीन कब्जाने के धंधे को मोटी कमाई का जरिया ही बना लिया। कोविड जैसे संकट के बाद भी नियम के विपरित इस गिरोह ने रात में पुलिस लाईन से बसों में ठूंस कर ले जाये गये फोर्स के साथ जमीन कब्जाने में आतंक का राज कायम कर दिया। बजरा की जमीन भी इनके निशाने पर रही. 75 सालों की लगान रसीद एक दिन में काटकर भारी संख्या में पुलिस के दम पर दिन-रात जमीन कब्जा कराने का ऐसा काम हुआ जिसकी दूसरी मिसाल नहीं मिल सकती. हाईकोर्ट ने ज़िला प्रशासन के अंधा कानून की इस कार्रवाई को अभी रद्द कर दिया है. जमीन के विवाद में जांच या कब्जा के लिये रात में पुलिस को भेजने का नियम नहीं है. लेकिन कई ऐसे वीडियो हमें देखने को मिले हैं जिसमें रात में पुलिस लाइन से बसों में भरकर पंहुचे फोर्स और अफसर आतंक कायम करने के लिये गेट तोडकर कई जगहों पर घुसने का प्रयास करते देखे जा सकते हैं. सुना है कि जमीन लूटो गोरखधंधा रात में इसलिये किया जाता था कि पब्लिक की भीड़ और हंगामा न हो. कम से कम पत्रकार मौके पर पंहुचें. पीड़ित पक्ष अगर फरियाद लेकर किसी जनप्रतिनिधि के माध्यम से सीनियर अफसरों से सम्पर्क करना चाहें तो, रात का बहाना बना कर कोई अफसर मिले ही नहीं. दिन के उजाले से पहले गोरखधंधा हो जाय।

कोयल रिवर फ्रंट में पैसा किसका लगा, खुलासा होना जरूरी : आजसू

संवाददाता, मेदिनीनगर।

आल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि कोयल रिवर फ्रंट का उद्घाटन रविवार को कर दिया गया है। इस निर्माण में कोई एक समुदाय का पैसा लगा है या निजी फंड से निर्माण किया गया है। इसका खुलासा होना जरूरी है।

आजसू के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि गांधी मैदान पार्क का निर्माण निगम से कराया गया है। यह अच्छी बात है, मगर गरीबों के पहुंच से बाहर है। क्या निगम का टैक्स गरीब लोग नही दे रहे हैं। तो फिर टिकट क्यों लिया जा रहा है। आसपास के बड़ी आबादी सुबह शाम टहलने के लिए महिला पुरुष बच्चे व बुजुर्ग जाते हैं तो किराया क्यों वसूला जाएगा। सतीश ने कहा कि साहित्य समाज चौक, जिसका शिलान्यास 10-15 वर्ष पूर्व स्व रामकुमार सिंह, स्व मंगल किशोर छोटू व तारकेश्वर आजाद सरीखे लोग ने तत्कालीन गृहमंत्री सुबोधकांत सहाय से जय प्रकाश चौक का शिलान्यास कराया था। अब उक्त चौक का नामकरण बदला जा रहा है। ऐसा ही घटना बैरिया चौक पर से बाबू जगदेव प्रसाद का प्रतिमा हटाने की साजिश की गयी थी। मगर आन्दोलन के दबाव में निगम ने अपना निर्णय बदल दिया।

कपिलो मुखिया को केन्द्रीय मंत्री ने किया सम्मानित

गिरिडीह : बिरनी (गिरिडीह) के कपिलो पंचायत के मुखिया मुकेश यादव को कोड़रमा सांसद व केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने दिल्ली आवासीय कार्यालय में बुके एंव अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मुखिया मुकेश इससे पहले नानाजी देशमुख सर्वोत्तम राष्ट्रीय पंचायत सतत विकास पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कपिलो पंचायत विकास के सतत प्रयास की सराहना कर मुखिया यादव को शुभकामनाएं दीं।मुखिया यादव ने मंत्री को बिजली ट्रांसफार्मर पर ठनका गिरने से कपिला पंचायत में उत्पन्न पानी की समस्या से भी अवगत कराया।

जेएमएम विधायक लोबिन हेंब्रम के नेतृत्व में 'खतियान बचाओ' महाजुटान का आयोजन, कहा

सच बोलना यदि बगावत है तो समझो हम बागी हैं

संवाददाता, रांची।

नई नियोजन नीति के खिलाफ और राज्य में 1932 आधारित नियोजन नीति लागू करने की मांग को लेकर राजधानी रांची समेत राज्यभर में प्रदर्शन किए जा रहे है. राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के विधायक लोबिन हेंब्रम शुरू से ही राज्य में 1932 आधारित नियोजन नीति लागू करने की मांग कर रहे है. इसी बीच अब आज विधायक ने 'खतियान बचाओ' महाजुटान का ऐलान किया है इसे लेकर आज पुराने विधानसभा परिसर के सामने लोग इक्ट्ठे होंने और सरकार से 1932 आधारित नियोजन नीति लागू करने की मांग करेंगे. इसकी जानकारी मासस नेता सुशांत मुखर्जी ने दी है. इस बीच उन्होंने कहा कि अब पुलिस और प्रशासन ने नहीं बल्कि खुद खतियान अपनी जमीन पर कब्जा करेंगे।

विधायक लोबिन हेंब्रम की फाइल फोटो।

भाजपा में शामिल होने की चर्चा बेमानी : लोबिन हेंब्रम

इसी बीच विधायक लोबिन हेंब्रम का एक बयान सामने आया है जिसमें अपनी बातों को दुहराते हुए उन्होंने कहा है कि सरकार 1932 आधारित स्थानीय नीति लागू करें, हेंब्रम ने कहा कि सच बोलना यदि बगावत है तो समझो हम भी बागी हैं. वहीं बीजेपी में शामिल होने की खबरों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी पार्टी में मेरे जाने की चर्चा पूरी तरह से बेमानी है और ऐसी चर्चा करने वाले लोग बेईमान है.

राज्यभर में नई नियोजन नीति का हो रहा विरोध

पिछले कई महीनों से राजधानी समेत पूरे राज्य में हेमंत सरकार की नई नियोजन नीति 60/40 का विरोध किया जा रहा है. हाल ही के दिनों 17, 18 और 19 अप्रैल को को झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन समेत राज्यभर के छात्र संगठनों ने नई नियोजन नीति के खिलाफ महाआंदोलन का आयोजन किया था. इस बीच उन्होंने सीएम आवास का घेराव करने की कोशिश की थी लेकिन वे नाकाम रहे. जिला प्रशासन ने उनपर कार्रवाई करते हुए कई छात्र संगठन के कई छात्र नेता समेत छात्रों को हिरासत में लिया था।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री ने वीर शहीद तेलंगा खड़िया को दी श्रद्धांजलि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अमर वीर शहीद तेलंगा खड़िया के शहादत दिवस पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेज शोषकों के खिलाफ उनके विद्रोह और शहादत को सदैव याद रखा जाएगा। झारखंड की माटी के वीर सपूत को शत-शत नमन।

राष्ट्रपति मुर्मू आज हरियाणा के करनाल और हिसार का करेंगी दौरा

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज हरियाणा के करनाल और हिसार का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार करनाल में राष्ट्रपति मुर्मू भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के 19वें दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। वहीं हिसार में रहते हुए वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार सरकार को घेरा

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि बिहार सरकार की ओर से माफिया आनंद मोहन की रिहाई दलित समुदाय का अपमान है। इस मामले को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने बिहार की नीतीश सरकार द्वारा, आन्ध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) महबूबनगर के रहने वाले गरीब दलित समाज से आईएएस बने बेहद ईमानदार जी कृष्णैया की निर्दयता से की गई हत्या मामले में आनन्द मोहन को नियम बदल कर रिहा करने की तैयारी देश भर में दलित विरोधी निगेटिव कारणों से काफी चचाओं में है। आगे उन्होंने कहाकि आनन्द मोहन बिहार में कई सरकारों की मजबूरी रहे हैं, लेकिन गोपालगंज के तत्कालीन डीएम कृष्णैया की हत्या मामले को लेकर नीतीश सरकार का यह दलित विरोधी व अपराध समर्थक कार्य से देश भर के दलित समाज में काफी रोष है। उनकी चाहें कुछ भी मजबूरी हो, बिहार सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए।

केंद्र सरकार सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा के लिए कर रही हरसंभव प्रयास

नई दिल्ली : केंद्र सरकार सूडान में जटिल और उभरती सुरक्षा परिस्थियों पर बारीकी से नजर बनाए हुए है और वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आकस्मिक योजनाएं मौजूद हैं लेकिन जमीन पर कोई भी गतिविधि सुरक्षा स्थिति पर निर्भर करेगी। भारतीय दूतावास सूडान में फंसे भारतीयों के नियमित संपर्क में है और उन्हें सुरक्षित आवाजाही की व्यवहार्यता और अनावश्यक जोखिम से बचने की सलाह दे रहा है। जब भी सुरक्षा स्थिति सुरक्षित आवाजाही की अनुमति देगी खार्तूम शहर से संभावित निकासी सहित हर संभव उपाय पर काम किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार हम सूडान में फंसे और वहां से निकलना चाह रहे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए विभिन्न सहयोगियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। सूडानी अधिकारियों के अलावा विदेश मंत्रालय और सूडान में भारतीय दूतावास भी संयुक्त राष्ट्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्त्र और अमेरिका के साथ नियमित संपर्क में हैं। भारत कई विकल्पों पर काम कर रहा है। दो भारतीय वायुसेना सी-130जे वर्तमान में जेद्दाह में स्टैंडबाय पर तैनात हैं और आईएनएस सुमेधा पोर्ट सूडान पहुंच गया है। मंत्रालय के अनुसार खार्तूम में विभिन्न स्थानों पर भयंकर लड़ाई की खबरों के कारण हालात नाजुक बने हुए हैं। सूडानी हवाई क्षेत्र वर्तमान में सभी विदेशी विमानों के लिए बंद है। ओवरलैंड मूवमेंट में जोखिम और तार्किक चुनौतियां भी होती हैं।

एकीकृत गृह जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री से वार्ता कराने के लिए कृषि मंत्री बादल से किया आग्रह

देवघर : एकीकृत गृह जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिलीप कुमार राय ने शिक्षकों के अंतर जिला स्थानांतरण की मांग को लेकर एक बार फिर कृषि मंत्री बादल पत्रलेख से देवघर सर्किट हाउस में मुलाकात कर शिक्षक शिक्षिकाओं की समस्याओं से अवगत करवाया। साथ ही निवेदन किया कि एक बार अपने नेतृत्व में मुख्यमंत्री से वार्ता कराने का कष्ट करें।वहीं दिलीप राय ने कहा कि पूरी उम्मीद है मुख्यमंत्री कुछ बेहतर निर्णय लेंगे। वहीं मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि इस मामले को लेकर श्री राय कई बार मुलाकात किए हैं और नियमावली में संशोधन भी किया गया है। वहीं नियमावली में जो संशोधित किया गया है उसमें सामान्य परिस्थियों में शिक्षक शिक्षिकाओं का स्थानांतरण नहीं हो पाएगा। दूसरी बात जो वर्तमान नियमावली के दायरे में आते हैं उनका भी स्थानांतरण नहीं हो पाया है। एक दिव्यांग महिला शिक्षिका अंतर जिला स्थानांतरण की बाट जोहती रही और एक माह पूर्व उनके पति का देहांत हो गया। वहीं श्री राय कहते है आप समझ सकते हैं कि सरकार हमारी मांगों को लेकर कितना गंभीर है। जब मुख्यमंत्री संघर्ष यात्रा के दौरान पाकुड़ पहुंचे थे तो उस समय भी गृह जिला स्थानांतरण के विषय में चर्चा हुई थी और वे बोले थे सरकार बनने दिजिए। मंत्री बादल ने आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द मुख्यमंत्री से वार्ता होगी। बताते चलें कि पिछले सप्ताह श्री राय ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजूल हसन से मुलाकात कर मुख्यमंत्री से वार्ता कराने का आग्रह कर चुके हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बताया भारत के विश्वगुरु बनने का तरीका

साबरकांठा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को यहां कहा कि विश्वगुरु बनने के लिए भारत को वेदों के ज्ञान और प्राचीन संस्कृत को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति रुढ़ीवादी नहीं है, बल्कि समय के साथ बदलती रही है और ऐसी नहीं है जो हमसे यह कहे कि क्या खाना है और क्या नहीं खाना है। यहां मुदेती गांव में श्री भगवान याज्ञवलक्य वेदतत्वज्ञान योगाश्रम ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वेद संस्कृत ज्ञान गौरव समारंभ में भागवत ने कहा कि भारत का निर्माण वेदों के मूल्यों पर हुआ है, जिनका पीढ़ी दर पीढ़ी अनुसरण किया गया। उन्होंने कहा, इसलिए आज के भारत को प्रगति करनी है, लेकिन अमेरिका, चीन और रूस जैसी महाशक्ति नहीं बनना होगा जो शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। हमें एक ऐसा देश बनना है जो आज के विश्व की समस्याओं का समाधान दे सके। हमें एक ऐसा देश बनना है जो विश्व को सही व्यवहार के जरिये शांति, प्रेम और समृद्धि का पथ दिखा सके। भागवत ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो धर्म का प्रचार-प्रसार करने, हर किसी को एकजुट करने और एक विश्व गुरु बनने में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा, विजय का मतलब धर्म विजय है।

नीतीश कुमार का बीजेपी नेता पर फूटा गुस्सा, कहा-उनमें बुद्धि नहीं है

पटना : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी द्वारा अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को ह्यमिट्टी में मिला देनेह्न की टिप्पणी किए जाने के एक दिन बाद कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के नेता बुद्धिहीन हो गए हैं। पत्रकारों ने रविवार को जनता दल (यूनाइटेड) के नेता कुमार से सम्राट चौधरी की टिप्पणी को लेकर सवाल किया जिसमें उन्होंने कहा था कि कुमार को उनके विश्वासघात के लिए मिट्टी में मिला देंगे। कुमार ने कहा, वे (भाजपा नेता) बुद्धिहीन लोग हैं। उन्हें (सम्राट चौधरी) बता दीजिए कि जो उन्होंने कहा है वे करें। मैंने अपने पूरे राजनीतिक करियर में कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है। कोई भी संवेदनशील नेता ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेगा। मैंने अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी काम किया है और उनके प्रति अगाध सम्मान है।

ईडी की जांच से छवि रंजन के साथ कई राजनेताओं की बढ़ेंगी मुश्किलें, पुराने लैंड रिकॉर्ड में फजीवाड़ा!

विशेष संवाददाता, रांची।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम को जमीन घोटाले मामले में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। रांची के बरियातू रोड में सेना की कब्जे वाली भूमि और चेशायर होम रोड में जमीन की खरीद-ब्रिकी मामले में ईडी की टीम जांच कर रही हैं। इस जमीन की खरीद-बिक्री मामले में ईडी की ओर रजिस्ट्री कार्यालय से प्राप्त दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच करवाई गई। इसमें जमीन माफिया की करतूत और फजीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच में यह बात भी सामने आई है कि राज्य के मंत्रियों और राजनेताओं ने भी जमीन खरीदने के दौरान अपने कुछ ब्यौरे छिपाए हैं, ताकि उन्हें आसानी से नहीं पकड़ा जा सके।

विधि विज्ञान प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट के बाद पूछताछ संभव

ईडी ने पीएमएलए की धारा 16 में निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 21 अप्रैल को रजिस्ट्री कार्यालय में सर्वे किया था। सर्वे का उद्देश्य सेना और चेशायर होम रोड स्थित जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित दस्तावेज जब्त करना था। इस दौरान

ईडी को कई अन्य राजनेताओं की संपत्ति के बारे में भी जानकारी हासिल की गई। बताया गया है कि जब्त दस्तावेज की विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच होगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित मंत्रियों और राजनीतिज्ञों से पूछताछ हो सकती है।

स्याही-लिखावट में अंतर, बैक डेट से पेज जोड़े

ईडी के अधिकारियों ने रजिस्ट्रीय ऑफिस में प्राप्त दस्तावेजों की छानबीन की, तो कई पन्नों में छेड़छाड़ की जानकारी मिली है। अधिकांश पेज डैमेज थे, पर कुछ पेज एकदम ठीक थे। जिससे यह पता चल रहा है कि इन दस्तावेज में कुछ पेज बैक डेट से जोड़े गए हैं। इन पन्नों की स्याही और लिखावट भी पुराने से भिन्न है। मूल दस्तावेज में कोलकाता को पश्चिम में दिखाया गया है, जबकि पश्चिम बंगाल 1947 में अस्तित्व में आया था। दस्तावेज में कोलकाता का पिन भी लिखा है, जबकि पिन कोड 15 अगस्त 1972 को अस्तित्व में आया था।

24 अप्रैल को आईएएस छवि रंजन से होगी पूछताछ

जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच रही ईडी की टीम ने 24 अप्रैल को रांची के पूर्व डीसी और आईएएस छवि रंजन को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने 17 अप्रैल को समन कर उन्हें 21 अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन वे नहीं पहुंचे। उन्होंने वकील के माध्यम से दो हफ्ते की मोहलत मांगी थी। लेकिन ईडी ने अस्वीकार करते हुए 21 अप्रैल को ही दूसरा समन भेज कर उसी दिन शाम को 4 बजे उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया। जिसके बाद उन्हें फिर से 24 अप्रैल को पेश होने के लिए तीसरा समन भेजा गया। इसके बावजूद यदि छवि रंजन पूछताछ के लिए रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय नहीं पहुंचते हैं, तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

झारखंड के वो पांच आईएएस, जिन पर करोड़ों के हेरफेर का आरोप

रांची: आमतौर पर भारत के ब्यूरोक्रेसी को 'आयरन चेस्ट' कहा जाता है। सरकार चाहे जिस किसी पार्टी की हो, ये ब्यूरोक्रेट्स ही होते हैं जिनके सिग्नेचर से करोड़ों-अरबों के फंड का 'खेल' होता है। नाली से लेकर गली और सड़क से लेकर पानी तक इन्हीं के फरमान पर आप तक पहुंचता है। किसी भी सरकार की छवि बनाने और बिगाड़ने में इनका बड़ा रोल होता है। एक परीक्षा पास कर रिटायरमेंट तक के लिए इतना पॉवर मिल जाता है कि कभी-कभी तो इनको लगता है कि 'अपुनिच भगवान है'। इसके बाद शुरू होती है पांच साल के लिए चुनी हुई सरकार की मुसीबत। झारखंड के पांच ऐसे आईएएस अधिकारियों को जानिए जिन पर करप्शन की तलवार लटक रही है।

पूजा सिंघल : साल 2000 में महज 21 वर्ष की उम्र में पूजा सिंघल आईएएस बनी थीं। जब निलंबित हुईं तो झारखंड के खनन और उद्योग विभाग के सचिव पद पर पोस्टेड थीं। इन पर आरोप है कि खूंटी जिले की उपायुक्त रहते 18 करोड़ रुपए का मनरेगा घोटाला किया है। साहिबगंज में हुए अवैध पत्थर खनन में भी शामिल होने का आरोप है। फिलहाल ये रांची के जेल में बंद हैं।

राजीव अरुण एक्का : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का 1994 बैच के कअर हैं। इन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। आरोप है कि नेताओं और नौकरशाहों के काले धन के निवेशक विशाल चौधरी से काफी घनिष्ठ संबंध है। बीजेपी विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें ये सरकारी फाइलें विशाल चौधरी के घर पर निपटाते देखे गए। ईडी छापेमारी कर चुकी है।

प्रदीप कुमार : 1991 बैच के आईएसएसअधिकारी प्रदीप कुमार जेल की हवा खा चुके हैं। फिलहाल जमानत पर हैं और रिटायर हो चुके हैं। इन पर आरोप है कि स्वास्थ्य सचिव रहते हुए 130 करोड़ का दवा घोटाला किया। करीब पौने दो करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग का भी इन पर इल्जाम है।

छवि रंजन : नौजवान आईएसएस अधिकरी छवि रंजन जमीन घोटाले में फंसे हैं। आरोप है कि इन्होंने रांची के डीसी रहते हुए करम टोली में सेना की 4.55 एकड़ जमीन को गलत तरीके से बेच दिया। कई जमीनों की रजिस्ट्री, उसके म्यूटेशन भी गलत तरीके से कराने का इल्जाम है। 2011 में यूपीएससी कम्प्लीट करने वाले छवि रंजन अब जांच एजेंसियों का सामना कर रहे हैं।

विनय चौबे : 1999 बैच के आईएएस अधिकारी विनय चौबे से शराब घोटाले के मामले में रायपुर में पूछताछ हुई। ईडी ने झारखंड के उत्पाद सचिव और बेवरेज कॉरपोरेशन के एमडी विनय चौबे को बुलाया था। झारखंड की नई शराब नीति के लिए छत्तीसगढ़ मॉडल को अपनाया गया था। जिसमें सीएसएमसीएल को परामर्श नियुक्त किया गया था। कारोबार करने की वजह से झारखंड सरकार को भारी राजस्व घाटा हुआ।

ब्रीफ न्यूज

अनुपस्थित रहने के आरोप में बीडीओ पर बैठी जांच

रांची : राज्य सरकार ने तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी ठेठईटांगर, सिमडेगा शिवाजी भगत के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही चलाने का आदेश दिया है. शिवाजी भगत अभी बीडीओ पालाजोरी, देवघर के पद पर कार्यरत हैं. उनके विरूद्ध सिमडेगा में बगैर प्रभार सौंपे बिना प्रखंड मुख्यालय से अनुपस्थित रहने, रोकड़ पंजी का अद्यतन संधारन एवं निरीक्षण, पर्यवेक्षण नहीं करने, अपने दायित्व का निर्वहन नहीं करने संबंधी गंभीर आरोप लगे हैं. पूरे मामले पर उपायुक्त सिमडेगा ने 29 मई 2018 को ही आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। कार्मिक विभाग ने इसकी जांच करायी, जिसमें प्रथमद्दष्टया आरोप प्रमाणित पाये गये. मामला राज्य सरकार के पास गया। जिसके बाद उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया गया ओर जांच संचालन पदधिकारी रिटायर आइएएस अरविंद कुमार को नियुक्त किया गया है. उपसमाहर्ता सिमडेगा को उपस्थापन पदाधिकारी बनाया गया है. शिवाजी भगत से 15 दिनों में जवाब मांगा गया है. इस संबंध में कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन आज

रांची : राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल को पूरे देशभर में मनाया जायेगा. राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश के रेवा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे. इस दौरान डिजिटल सिस्टम का अधिक से अधिक प्रयोग व ई-ग्राम स्वाराज-जेम के प्रयोग पर जोर दिया जायेगा. ताकि किसानों ग्रामीण क्षेत्रों के प्रोडक्ट के मार्केटिंग के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध हो सके. वहीं, झारखंड के सभी ग्राम पंचायतों में भी पंचायती राज दिवस को धूमधाम से मनाया जायेगा. पंचायती राज दिवस को देखते हुए पंचायती राज विभाग ने सभी जिलों और त्रिस्तरीय पंचायतों को दिशा-निर्देश जारी किया है और पंचायती राज दिवस मनाने का निर्देश दिया है. त्रिस्तरीय पंचायत स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तीकरण के लिए शपथ भी ली जायेगी. जनप्रतिनिधियों के द्वारा पंचायतों के सत्त विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शपथ लिया जायेगा. सभी मुखिया, पंचायत के सदस्यों, जिला परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्षतों व पंचायत समिति को कहा गया है कि वे पंचायती दिवस के दौरान कार्यक्रम का आयोजन करें. इस दौरान समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जायेगा।

श्यामली में नील रोंगेर घोड़ा नाटक का मंचन

रांची : श्यामली कम्युनिटी हॉल में रविवार को सांस्कृतिक संस्था कृष्टि के तत्वावधान में नील रोंगेर घोड़ा नाटक का मंचन किया गया. इस नाटक को मोहित चट्टोपाध्याय ने लिखा है. इस नाटक में दशार्या गया है कि आम आदमी अपने छोटे-छोटे सपनों को पूरा करने के लिए किस तरह की जद्दोजहद में लगा रहता है. इसमें आम आदमी के जीवन संघर्ष और इससे जुड़ी घटनाओं को दिखाया गया है। नील रोंगेर घोड़ा नाटक के मुख्य पात्र सोमनाथ घुड़दौड का है. जिसे साधारण-सी नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. इसके बाद भी वह अपनी किस्मत आजमाने में जुटा रहता है. उसके सपने में नीले रंग का घोड़ा है. उसे आखिरी दम तक उम्मीद रहती है कि यह घोड़ा उसकी किस्मत बदलेगा। लाइट, म्यूजिक, साउंड और पात्रों के संवाद से यह नाटक बहुत ही बेहतरीन ढंग से मंच पर उतारा गया. इस नाटक ने दर्शकों को लगभग डेढ़ घंटे तक सम्मोहित किया. लेकिन नाटक के मुख्य किरदार सोमनाथ की रेस कोर्स में मौत हो जाती है।

एक दिन में अधिकतम 70 कॉपियों की होगी जांच

जैक बोर्ड की 10वीं और 12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं की जांच शुरू

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड में जैक रविवार से मैट्रिक व इंटर के कॉपियों की जांच शुरू करने वाली है. इसे लेकर खअउ ने पूरी तैयारी कर ली है. गौरतलब हो कि मैट्रिक की परीक्षा 3 अप्रैल तथा इंटर की परीक्षा 5 अप्रैल को संपन्न हुआ था. तकरीबन 20 दिनों के बाद खअउ परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू करने वाली है. कॉपियों की जांच के लिए पूरे राज्य के 19 जिलों में 66 केंद्र बनाये गये हैं. इनमें मैट्रिक के कॉपियों की जांच के लिए 35 केन्द्र व इंटर के कॉपियों के जांच के लिए 31 केंद्र बनाये गये हैं. मालूम हो कि इस साल

मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में लगभग आठ लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे। जैक के अनुसार, मैट्रिक व इंटर का रिजल्ट मई महीने के अंत तक जारी किया जाएगा. सबसे पहले मैट्रिक का रिजल्ट जारी किया जाएगा. मैट्रिक के साथ-साथ इंटर साइंस का भी रिजल्ट जारी किया जाएगा. इसके बाद अंत में इंटर कला और इसके साथ वाणिज्य संकाय का रिजल्ट जारी होगा. जैक अधिकारियों के मुताबिक, 10वीं और 12वीं का रिजल्ट 21 मई के बाद जारी किया जा सकता है। कॉपियों की जांच को लेकर सभी जांच केंद्रों के केन्द्राधीक्षक को जांच से जुड़े सभी आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं. वहीं जो शिक्षक ब्लैक लिस्टेड हैं या सेवानिवृत्त हो चुके हैं वैसे शिक्षकों को कॉपियों के जांच कार्य में भाग नहीं लेने को कहा गया है. साथ ही वैसे शिक्षक जिनकी नियुक्ति जिस विषय में हुई है वे उसी विषय की उत्तरपुस्तिका की जांच करेंगे. इसे सभी जांच केंद्रों के केन्द्राधीक्षक को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है. जैक के अनुसार, परीक्षक एक दिन में अधिकतम 70 कॉपियों का मूल्यांकन कर सकेगें।

झारखंड में गर्मी से बनी रहेगी राहत, रांची में 30 अप्रैल तक बारिश के आसार

- उत्तर-पश्चिमी, दक्षिणी व निकटवर्ती मध्य भागों में अलर्ट
- रांची का तापमान सबसे कम

विशेष संवाददाता, रांची।

राजधानी समेत पूरे झारखंड में पिछले दो दिनों में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है. लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है. मौसम विभाग के अनुसार रांची समेत राज्य भर में 30 अप्रैल तक बारिश होने का पूर्वानुमान है. 24 और 25 अप्रैल को राज्य के उत्तर-पश्चिमी, दक्षिणी (पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा ,रामगढ़, सरायकेला खरसावाँ, लातेहार, लोहरदगा) तथा निकटवर्ती मध्य भागों (रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग) में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा हो सकती है. 26 से 30 अप्रैल तक राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा हो सकती है. राजधानी में 30 अप्रैल तक बारिश के आसार हैं. साथ ही अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री तक गिरावट दर्ज होने की संभावना है. मौसम विभाग ने वेदर को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया है. सोमवार से बुधवार तक राज्य के उत्तर-पश्चिमी दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्ज व वज्रपात के साथ तेज सतही हवा चलने की संभावना है।

डायसिस संडे स्कूल दिवस समारोह में रंगारंग कार्यक्रम, बच्चे हुए पुरस्कृत

विशेष संवाददाता, रांची।

होली ट्रिनिटी चर्च, कडरु पेरिस में रविवार को डायसिस संडे स्कूल दिवस समारोह मनाया गया. रंगारंग कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने ग्रुप सांग, एक्शन सॉन्ग, नृत्य प्रस्तुत किया. परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा चर्च आराधना से की गयी. मुख्य अतिथि पेरिस पुरोहित रेव्ह सिकंदर नाग और रीता हेमरोम शामिल हुए. पुरोहित सिकंदर नाग ने कहा कि अंधकार को सिर्फ सांसारिक दीपक से ही दूर नहीं किया जा सकता, बल्कि समाज में फैले हुए अंधकार रूपी बुराइयों को भी अच्छे व्यवहार व अच्छे कामों से दूर कर सकते हैं. रीता हेमरोम ने कहा कि उम्मीद का दीपक कभी बुझता नहीं, बल्कि जो बुझे हुए हैं, उन्हें भी रोशन करता है।

चार सूत्री मांगों को लेकर झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ का चरणबद्ध आंदोलन, आज काला बिल्ला लगाकर करेंगे काम

विशेष संवाददाता, रांची।

रांची : अपनी 4 सूत्री मांगों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत कार्यरत एमपीडब्ल्यू स्वास्थ्य कर्मी कल से यानी 24 अप्रैल 2023 से चरणबद्ध आंदोलन करेंगे. संघ ने इसकी जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सभी विभागीय अधिकारियों को देने की बात कही है. संघ के अध्यक्ष पवन कुमार और महासचिव मंगल हेम्ब्रम ने सौंपे मांग पत्र में लिखा है कि 22 मार्च 2023 को संगठन ने अपनी विभिन्न मांगो को विभाग और सरकार के समक्ष रखा था लेकिन इस पर अभी तक किसी पर का

पहल/कारवाई नही हुई है. इसे लेकर राज्य के तमाम एमपीडबल्यू स्वास्थ्य कर्मियों में रोष व्याप्त है. ऐसे में राज्य संघ ,राज्य महासंघ और राज्य भर के तमाम एमपीडबल्यू स्वास्थ्य कर्मी कल से चरणबद्ध आंदोलन पर रहेंगे।

चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा

1. 24 एवं 25 अप्रैल 2023 को सभी एमपीडबल्यू स्वास्थ्य कर्मी काला बिल्ला लगाकर अपना विरोध दर्ज करेंगे.
2. 26 एवं 27 अप्रैल को सभी कर्मी अपने अपने शरीर पर अपनी मांगों के समर्थन में तख्ती लगाकर विरोध दर्ज करेंगे।
3. 28 अप्रैल को सभी कर्मी 1 दिन का उपवास रखेंगे।
4. 29 अप्रैल को सभी कर्मी अपने अपने जिलों के सिविल सर्जन महोदय को मांग पत्र सौपेंगे।
5. 2 मई को राज्य के मुख्यमंत्री महोदय से मिलकर मांगपत्र सौंपेगा।

राज्य संघ ने यह भी कहा कि अगर तय कार्यक्रम तक हमारी मांगो पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नही किया जाता है तो फिर 3 मई को स्वास्थ्य मंत्री महोदय का आवास घेराव किया जाएगा. जो कि मेकॉन गेट से चलकर स्वास्थ्य मंत्री आवास तक जाएगा. चरणबद्ध आंदोलन से उत्पन्न होने वाली सम्पूर्ण विधि व्यवस्था की जिम्मेवारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और राज्य सरकार की होगी।

यह है मुख्य मांगे

1. एमपीडबल्यू स्वास्थ्य कर्मियों का विभाग मे अविलंब स्थाई समायोजन हो।
2. कोविड-19 और उसके पश्चात 22 एमपीडबल्यू स्वास्थ्य कर्मियों के आकस्मिक मृत स्वास्थ्य कमीयों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए।

इस टेक्नोलॉजी में मौजूदा सड़क से मेटेरियल निकाल उसे रिसाइकल कर नयी सड़क के निर्माण में किया जाएगा उपयोग

पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत अब झारखंड में नई तकनीक से होगा ग्रामीण सड़कों का निर्माण

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड में अब नई तकनीक से सड़कें बनने वाली है. राज्य में बनने वाली सड़कों में अब बिलकुल ही नए प्रकार की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंर्तगत इस बार 1030 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का नई टेक्नोलॉजी से निर्माण किया जाएगा. वहीं राज्य में इस तरह की नई तकनीक से बनने वाली पहली सड़क होगी. बताया जा रहा है कि इस तरह के टेक्नोलॉजी के आने से चिप्स और पत्थर के लिए पहाड़-पर्वत तोड़ने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. इस पद्धति पर झारखंड स्टेट रूरल रोड

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सड़क ● द फोटोन न्यूज

डेवलपमेंट अथॉरिटी आगे बढ़ गया है. हाल ही में सारे इंजीनियरों और ठेकेदारों को नई तकनीक के बारे में ट्रेनिंग दी जा रही है ताकि ये सभी नई तकनीक को बहुत जल्द अपना लें. अब इस नई तकनीक को लागू करने के लिए सारे प्रमंडलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। सड़क बनने की इस नई तकनीक का नाम 'फुल डेप्थ रेक्लिमेशन' (एफडीआर) है. इस नई तकनीक के तहत मेटेरियल को फिर से इस्तेमाल करके सड़क बनाया जायेगा. इस टक्नोलॉजी में मौजूदा सड़क से उसका मेटेरियल निकाल कर उस मटेरियल को फिर से रिसाइकल कर उसे नयी सड़क के निर्माण पर लगाया जाएगा. इस तकनीक के आ जाने से बार-बार चिप्स आदि खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी, बल्कि सड़क पर लगे चिप्स का ही इस्तेमाल दुबारा से कर लिया जाएगा. इससे बार-बार खनन कर पहाड़-पर्वतों को काटने भी नहीं पड़ेंगे. इस तकनीक को अपनाने से पर्यावरण का संतुलन अच्छा रहेगा. और कोई हानि पर्यावरण को नहीं होगा। सड़कों के निर्माण के बीच इसकी जांच कैसे और इसकी गुणवत्ता मापने के तरीके क्या हों. इन सभी से इंजीनियरों को अवगत कराया गया है. बता दें कि, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1040 किलो मीटर सड़कें बनाई गी हैं. वहीं राज्य के चार जिलों में इसका खाता भी नहीं खुल पाया है इन जिलों में देवघर, गोड्डा, जामताड़ा और रांची शामिल है. जिसमें सड़कों का निर्माण हुआ ही नहीं है. जानकारी के मुताबिक, इन जिलों में पिछले वित्तीय वर्ष में पीएमजीएस टू के तहत एक भी काम नहीं हुआ. जिसके कारण यहां सड़के भी नहीं बनी. जानकारी के लिए आपको बता दें, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण के लिए हर साल केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृति दी जाती है. वहीं इसके लिए राज्य सरकार अपने लक्ष्य तय करती है लेकिन राज्य सरकार ने अपना कोई लक्ष्य तय ही नहीं किया।

अनुभव आधारित शिक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन

शिक्षण संवर्धन कार्यशाला का उद्घाटन करते अतिथि ● द फोटोन न्यूज

विशेष संवाददाता, रांची।

एसआरडीएवी पब्लिक स्कूल,पुंदाग में सीबीएसई सीओई पटना के संयुक्त तत्वावधान में अनुभव आधारित शिक्षण विषय पर दो दिवसीय शिक्षण संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीबीएसई के संसाधक तथा डीएवी पब्लिक स्कूल, रजरप्पा के पूर्व प्राचार्य हिमांशु कुमार झा तथा सुरेंद्रनाथ सेंटनरी पब्लिक स्कूल की उप प्रधानाचार्या अन्नाकुटी ने संसाधिका के रूप में क्रिया कलाप आधारित प्रस्तुति दी, जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने सक्रियतापूर्वक भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में रांची के कुछ अन्य प्रसिद्ध विद्यालयों के शिक्षकों ने भी भाग लिया। पांच घंटे के कार्यक्रम में अनुभव आधारित शिक्षण के विविध पहलुओं पर विस्तार से चर्चा परिचर्चा की गई। साथ ही अभिनय, प्रश्नोत्तरी, केस स्टडी ,पाठ योजना, विषय झ प्रस्तुति आदि अनेक रोचक गतिविधियां आयोजित की गईं। प्राचार्य संजीत कुमार मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार से सत्रों का नियमित आयोजन सभी शिक्षकों की क्षमता संवर्धन के लिए अत्यंत लाभप्रद हैं।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आगजनी की घटना में शामिल पीएलएफआई के तीन उग्रवादी गिरफ्तार, कई मामलों का उद्भेदन

संवाददाता, सिमडेगा।

सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र स्थित डुमरडीह में 16 अप्रैल को सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की घटना को अंजाम देने वाले तीन पीएलएफआई के उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी में नितीश गोप उर्फ विकास टाईगर उर्फ श्याम टाईगर, नीरज गोप और सतीश उरांव का नाम शामिल है। सभी आरोपी गुमला जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के रहने वाले है। वही गिरफ्तार उग्रवादियों के निशानदेही पर दो स्कूटी, पीएलएफआई का पर्चा और 7 सिम सहित कई समान बरामद किया गया है।

घटना की जानकारी देते हुए सिमडेगा एसपी सौरभ ने बताया कि 16 अप्रैल को कोलेबिरा थाना क्षेत्र में पीएलएफआई के विकास टाईगर द्वारा विकास कार्य में लगे पोकलेन पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था।

पुलिस की टीम घटना में संलिप्त विकास टाईगर सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताया कि पीएलएफआई के अशोक गोप के आदेश पर अंजाम दिया गया था। आरोपी अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि कोलेबिरा के बिजली ग्रीड साईड, ईटकी में सड़क निर्माण में लगे वाहनों में आगजनी और वर्ष 2019 में खुंटी में लड़की की हत्या मे अपनी संलिप्तता भी स्वीकार किया है। गिरफ्तार आरोपी नितीश गोप पर गुमला, सिमडेगा और रांची में 8 मामले दर्ज है। जबकि नीरज गोप पर गुमला और सिमडेगा में 7 मामले दर्ज है।

गिरफ्तार उग्रवादी व जनकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

तीन साल बाद हत्याकांड का आरोपी हुआ गिरफ्तार, बेंगाबाद पुलिस ने की कार्रवाई

संवाददाता, गिरिडीह।

बेंगाबाद थाना पुलिस ने रविवार को 3 साल बाद हत्याकांड में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी विजय यादव को पुलिस ने बिरनी थाना इलाके से गुप्त सूचना के आधार पर दबोचा।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी विजय यादव ने तीन साल पहले 2020 में बेंगाबाद के कर्णपुरा गांव में अपने रिश्तेदार का सहयोग करते हुए राजकुमार यादव की हत्या कर दी थी। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। इसी क्रम में तीन साल बाद विजय यादव के बिरनी थाना इलाके में होने की सूचना मिली, तो उसे रविवार की सुबह गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार राजकुमार यादव की हत्या का यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है.

एनटीपीसी मजदूर यूनियन की साप्ताहिक बैठक संपन्न

संवाददाता, रामगढ़।

एनटीपीसी मजदूर यूनियन (एटक) की सप्ताहिक बैठक यूनियन कार्यालय पीटीपीएस पतरातू में हुई जिसकी अध्यक्षता भाकपा अंचल सचिव सह एटक राज्य कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार महतो ने किया। बैठक में बताया गया कि मजदूरों की समस्याओ, एवं स्थानीय युवाओं के रोजगार को लेकर आगामी 15 मई से एनटीपीसी प्रबंधन के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन की शुरूआत की जाएगी जिसको लेकर एनटीपीसी मजदूर यूनियन 1 मई से सभी विस्थापित प्रभावित गांव में मे जाकर मजदूरों एवं ग्रामीणों को गोल बंद करेगी। वही कामरेड मनोज कुमार महतो ने कहा की लगातार मजदूरों की समस्याएं सामने आ रही है। स्थानीय युवाओं को एनटीपीसी प्रबंधन रोजगार देने में विफल साबित हो रही है।

बैठक में मनोज कुमार महतो , मनोज मुंडा, सरवन करमाली, विकास मुंडा, सरवन महतो, रोहित महतो, ओम प्रकाश साहू, जयनंदन सिंह, विकास भुया, रोहित भुया आदि उपस्थित थे।

रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर से सटा ओवरलोडेड ट्रक का सामान, दुर्घटना टली

संवाददाता, गुमला।

कामडारा प्रखंड अंतर्गत पोकला गेट रेलवे लाइन पर स्क्रैप सामग्रियों से लदा एक ट्रक का उपरी भाग ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर से सटने के कारण शॉट सर्किट हो गया। इस पर रेलवे पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया । रेलवे ने ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर के शॉर्ट सर्किट को सही कर दिया है।

बताया गयाकि रविवार की सुबह लगभग साढ़े नौ बजे के आसपास एक ट्रक रायपुर से स्क्रैप लोड कर चांडिल ले जा रहा था । रास्ते में ट्रक पर ओवरलोड सामग्री बाहर निकली थी। इसी बीच कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोकलागेट रेलवे क्रासिंग पर ओवरलोड ट्रक निकलने के दौरान ट्रक का सामान ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर से छू गया। वायर छूते ही एक जोरदार आवाज के साथ शॉट सर्किट हो गया । इस घटना एक बड़ी दुर्घटना होने से बाल-बाल बच गयी।

पोकला के गेटकीपर अखिलेश तमेड़ा ने तुरंत रेलवे पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की खबर लगते रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उक्त ट्रक को जब्त कर पूरे मामले की जांच पड़ताल की। घटना के बाद रेलवे के इंजीनियरों ने ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर को ठीक कर दिया है।

इलेक्ट्रिक वायर से सटा ओवरलोडेड ट्रक का सामान। ● द फोटोन न्यूज

कई कष्टसाध्य अनुष्ठान के साथ आठ दिवसीय लोकपर्व मंडा संपन्न

संवाददाता, खूंटी।

कई कष्टसाध्य अनुष्ठानों के साथ शिवोपासना का ऐतिहासिक आठ दिवसीय लोकपर्व मंडा रविवार को झूलन अनुष्ठान के साथ संपन्न हो गया। आठ दिन तक खूंटी और इसके निकटवर्ती 12 गांवों में जय जगन्नाथ, काशी विश्वनाथ, भोले शिवा मणि महेश, गया गजाधर, देवी महादेव के जयकारों से गूंजते रहे।

अक्षय तृतीया के दिन महादेव मंडा परिसर में सुबह से शाम तक परंपरागत मंडा मेला का आयोजन किया गया। मेला परिसर में 30 फीट ऊंचे चरक खूंटा में बल्ली के सहारे अनुष्ठान में शामिल भगतियों को बांध कर चारों ओर झुलाया गया। झूलन कार्यक्रम को देखने और भगतियों के फेंके जा रहे फूलों को पाने के लिए हजारों ग्रामीणों में मानो होड़ सी लग गई थी। मान्यता है कि भगतियों के फेंके गए फूलों को आंजल या हाथ में लेने से घर में सुख-शांति आती है।खूंटी के इस ऐतिहासिक मंडा पर्व को देखने और पूजा-अर्चना के लिए शहर और आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से लोग पहुंचे।

बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि खूंटी का मंडा पर्व संभवतः इस भूभाग का सबसे पुरातन धार्मिक अनुष्ठान है, जो अपनी सुचिता, तपोमय क्रियाओं एवं अनुष्ठानों को पारंपरिक परिवेश में संजोकर रखा है। इस पर्व में सदानों की अपेक्षा जनजातीय आबादी, अनुसूचित जाति व अन्य पिछड़े वर्ग के लोग ज्यादा उत्साह और धार्मिक निष्ठा से भाग लेते हैं। इस वर्ष 121 भगतियों का पर्व की दीक्षा में प्रवेश करना पर्व की महत्ता को दशार्ता है। पर्व की दीक्षा में शामिल होने के बाद सभी भगतिए गृह त्याग कर शिवालय व अन्य मंदिरों में वास करते हैं और इस दौरान फलाहार पर ही निर्भर रहते हैं। दूसरी ओर भगतियों के स्वजन भी इस दौरान मांस मदिरा को त्याग कर रहन-सहन व खानपान में पूरी शुद्धता व पवित्रता बरतते हैं। अनुष्ठान में शामिल भगत अंतिम तीन दिन वैशाख मास के शुक्ल प्रतिपदा से अक्षय तृतीया तक 36 घंटों का निर्जला उपवास रखकर कष्टसाध्य आराधना करते हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार रात धुआं सुआं अनुष्ठान के तहत भक्तों को प्रज्ज्वलित अग्नि के नीचे उल्टा लटका कर झुलाया गया, जबकि शनिवार को जागरण की रात में फुलखूंदी अनुष्ठान के तहत दहकते अंगारों में नंगे पांव चलकर भोक्ताओं ने भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी श्रद्धा और अटूट विश्वास को दर्शाया।

साहू समाज ने धूमधाम से मनाई भामाशाह की जयंती, विधायक, डिप्टी मेयर हुए शामिल

संवाददाता, गिरिडीह।

दानवीर भामाशाह की जंयती को लेकर साहू सदन में रविवार को तैलिक साहू सभा जयंती समारोह में काफी संख्या में साहू समाज के लोगो का जुटान हुआ. इस दौरान जयंती समारोह की शुरूआत दीप जलाकर और सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, डिप्टी मेयर प्रकाश सेठ और सांसद प्रतिनिधी दिनेश यादव, समाज के अध्यक्ष बाल गोंविद साहु, राज्य कार्यकारी अध्यक्ष उमाचरण साहु ने भामाशाह के तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया।

मौके पर समारोह को संबोधित करते हुए सदर विधायक सोनू ने भामाशाह को साहु समाज का डीएनए बताते हुए कहा कि बगैर भामाशाह का जिक्र किए साहु समाज का वह पहचान नहीं बनता। क्योंकि दानावीर भामाशाह एक दानवीर होने के साथ शूरवीर भी थे। लिहाजा, भामाशाह के आदर्शो पर साहु समाज पूरे शक्ति के साथ चले। जब जहां जरुरत हुई, तो साहु समाज के लिए बतौर विधायक वह भी मजबूती के साथ खड़े है। लेकिन इसे जरुरी है कि साहु समाज कुछ कार्यो को प्राथमिकता में शामिल करे।

बेटी शिक्षा और बेटियों की शादी को दहेज जैसे कुप्रथाओं से मुक्त करने का अभियान शुरू करें। तो निश्चित तौर पर साहु समाज एक सशक्त समाज बनकर उभरेगा।

भामाशाह जयंती समारोह में जुटे लोग। ● द फोटोन न्यूज

बाबू कुंवर सिंह की याद में विजय उत्सव मनाया गया

संवाददाता, लोहरदगा।

जिले के भंडरा प्रखंड के ग्राम भैसमुन्दो के समुदायिक भवन में क्षत्रिय महासभा ने रण बाकुरा बाबू वीर कुंवर सिंह की याद में विजय उत्सव मनाया गया। रविवार को विवेक सिंह की अध्यक्षता में आयोजित विजय उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ बालकृष्णा सिंह ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर उन्होंने बालकृष्णा सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। उन्होंने कभी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की। इस उम्र में उन्होंने तत्कालीन पूरे बिहार के क्षत्रियों को एकजुट कर आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों से लोहा लिया था और तत्कालीन बिहार के अपने साम्राज्य क्षेत्र से उन्होंने अंग्रेजों को भागने पर मजबूर कर दिया था। युद्ध के दौरान गंगा पार करने के दौरान उनके हाथ में अंग्रेजों की गोली लग गई थी। इसके बाद उन्होंने भारत माता की जय करते हुए अपना हाथ खुद अपनी तलवार से काट कर गंगा मैया को समर्पित कर दिया था। उनके विचारों और साहसिक कदम को हमारे आने वाली पीढ़ियों को जानना चाहिए ताकि समय-समय पर अपने पूर्वजों की वीर गाथा को जान सके और लोगों को बता सकें। इस अवसर पर अभिषेक सिंह, आनंद सिंह, मधुसूदन सिंह, अटम सिंह, सूरज, राजेश, सुदन, मनोज, संध्या कुमारी, रूपेश सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि देते कार्यकर्ता ● द फोटोन न्यूज

झुमरा में गिरे ओले, इचाक में वज्रपात से महिला की मौत

संवाददाता, हजारीबाग ।

हजारीबाग में मौसम सुहाना हो गया है. अचानक बारिश होने से भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। हालांकि इस दौरान वज्रपात होने से इचाक के अलौंजा में एक महिला की मौत हो गई। वहीं झुमरा में जमकर ओले बरसे। इससे गर्मा फसलों को नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है। आम के टिकोले भी झड़ गए हैं। हालांकि जलस्त्रोत में बढ़ोतरी के लिए यह बारिश अच्छी मानी जा रही है। हजारीबाग का तापमान पांच डिग्री नीचे गिरकर 28 डिग्री तक पहुंच गया है। धूप से बच्चों को भी राहत मिली है।

बढ़ती गर्मी के साथ ही पालकोट में पेयजल संकट गहराया, ऋषिमुख पर्वत से गिरता पानी बना सहारा

निर्झरनी का पानी बुझा रही है ग्रामीणों की प्यास

संवाददाता, गुमला।

बढ़ती गर्मी के साथ ही पालकोट में पेयजल संकट गहरा गया है। सरकारी स्तर के सभी जुगाड़ गर्मी शुरू होते ही लगभग फेल हैं। ऐसी स्थिति में लोगों के लिए पालकोट ऋषिमुख पर्वत से निर्झर डोंगी व काठ डोंगी से बहने वाला पानी की धारा जीवनदायनी बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक अत्यंत पठारी इलाका होने के कारण गर्मी के आहट के साथ ही पालकोट में भूमिगत जलस्तर काफी नीचे चला जाता है । ऐसे में कम गहराई तक खुदे सरकारी चापानल लगभग फेल हो जाते हैं। पानी की सबसे ज्यादा ज्यादा विकराल समस्या पालकोट के बस स्टैंड मुख्य बाजार इलाका में है, जहां साप्ताहिक हाट ,बस स्टैंड व मुख्य बाजार है। यहां एक भी सरकारी चापानल या जलस्त्रोत नही है। ऐसे में स्थानीय निवासी व होटल व्यवसाई प्राकृतिक जलस्त्रोत पर पूरी तरह निर्भर है । सभी को पांच सौ रुपये प्रति टेम्पू की दर से पानी खरीदना पड़ता है। पालकोट में अवस्थित इन प्राकृतिक जलस्त्रोत पर सुबह 3 बजे से ही लोगों की भीड़ लगने लगती है। यह भीड़ 10 बजे रात तक रहती है। एक साल पूर्व पेयजल व स्वच्छता विभाग ने करोड़ों खर्च कर पिजरा नदी में संयत्र की स्थापना कर पूरे प्रखंड मुख्यालय में पाइप लाइन बिछाया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव व विभाग की अदूरदर्शिता के कारण यह योजना हाथी का दांत साबित हुआ है। पेयजल की आपूर्ति नहीं होने तथा एक भी कुआं व चापाकल चालू नहीं रहने की वजह से पालकोट वासियों को पानी के लिए भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा रहा है। वैसे मैं निर्झरनी का पानी ही एक मात्र सहारा रह गया है, जो मानव व पशुओं की प्यास बुझा रही है।

। ● द फोटोन न्यूज

ब्रीफ न्यूज

जिला प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ली शपथ

मेदिनीनगर : शहर में बायपास रोड पर स्थित ज्ञान मंदिर पब्लिक स्कूल में रविवार को जिला प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। सभी पदाधिकारियों ने एसोसिएशन को आगे बढ़ाना का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह में जिला प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर एसोसिएशन के सत्र 2023-26 के लिए नवनियुक्त पदाधिकारियों में अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष इजहारुल हक अंसारी, सचिव विमल कुमार, सह सचिव पंकज कुमार, कोषाध्यक्ष उदय कुमार सुमन, मीडिया प्रभारी राजन पांडेय, कार्यालय सचिव राजीव रंजन दुबे, संगठन सचिव शशि रंजन मिश्रा, संरक्षक विनोद कुमार गुप्ता, रजनीकांत पाठक, रवींद्र तिवारी ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस मौके पर सभी 29 सदस्य विद्यालयों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

महुआ चुनने गए युवक पर भालू का हमला, गंभीर

लातेहार : जिले के महुआडांड़ वन क्षेत्र के केवरकी गांव के निकट जंगल में रविवार को महुआ चुनने गए एक युवक पर जंगली भालू ने हमला कर घायल कर दिया है। को महुआडांड़ अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार केवरकी गांव निवासी संदीप टोप्पो कुछ अन्य ग्रामीणों के साथ रविवार को जंगल में महुआ चुनने गया था। इसी दौरान अचानक एक जंगली भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले से घबराए संदीप के शोर को सुनकर अन्य ग्रामीणों ने भी शोर मचाना आरंभ कर दिया। इस पर भालू जंगल की ओर भाग गया । भालू के हमले से संदीप के चेहरे पर और आंख में गंभीर चोट आई। ग्रामीणों ने उसे महुआडांड़ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे रेफर कर दिया। घटना के बाद वन विभाग ने घायल संदीप के इलाज के लिए सरकारी प्रावधान के अनुरूप मुआवजा राशि प्रदान की और आश्वस्त किया कि घायल के इलाज के लिए हरसंभव मदद किया जाएगा।

घायल का इलाज करते चिकित्सक। ● द फोटोन न्यूज

गोला प्रखंड के पूरबडी ग्राम में पांच दिवसीय हरि कीर्तन का शुभारंभ, 27 अप्रैल तक होगा आयोजन

गोला : प्रखंड के पूरबड़ी ग्राम के हरिमंदिर में कीर्तन का शुभारंभ हुआ। 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक कीर्तन होगा। इस कीर्तन का उद्घाटन गिरिडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी ने विधवध किया। उन्होंने कहा इस तरह ग्रामों में हरी कीर्तन होने से वातावरण तो शुद्ध होता ही है और मन में शांति भी मिलती है इसके अलावा जगत का कल्याण होता है। वहां उपस्थित ग्रामीणों के अलावा प्रखंड सचिव नित्यानंद महतो चंद्रशेखर महतो, उप मुखिया फूल कुमारी, राधा विनोद प्रजापति, संजय महतो, नीलकमल महतो, डॉ हेमंत उपाध्याय, सत्येंद्र महतो, श्रीकांत महतो आदि उपस्थित थे।

दिलीप इंटरप्राइजेज का विधायक सुनीता चौधरी ने किया उदघाटन

रामगढ़ : नगर परिषद क्षेत्र के कोठार में दिलीप इंटरप्राइजेज का उदघाटन बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि जीप अध्यक्ष सुधा चौधरी, नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो के द्वारा फीता काटकर किया गया। मौके पर सुनीता चौधरी ने कहा कि एग्रो दुकान खुलने से आसपास क्षेत्र के किसान भाईयों के लिए काफी लाभदायक होगा। साथ ही उन्होने बताया कि मजदूरों की समस्या से निपटने के लिए देश के कृषि वैज्ञानिक और इंजिनियर भी तरह-तरह के अविष्कार करते रहते हैं। अब खेतों की सभी सामयिक क्रियाएं ठीक से हो सकें इसके लिए भूमि की जुताई के लिए कृषि यंत्र, खेत तैयार करने वाले कृषि यंत्र,छोटे किसानों के लिए कृषि यंत्र इत्यादि तमाम तरह की खेती में काम आने वाले उपकरण और खेती के नए औजार इस दुकान में उपलब्ध हैं। मौके पर आजसू पार्टी नगर परिषद सचिव राजेन्द्र महतो, विभन सिंह,सुखदेव महतो, नीरज मंडल, महिला नगर अध्यक्ष अनुपमा सिंह, सुरेंद्र महतो, उमेश महतो, दुकान संचालक दिलीप कुमार, राहुल कुमार, भुनेश्वर मिश्रा, राकेश कुमार, देवनारायण, विक्रमजीत सिंह, किशोर बनर्जी आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

आशी लाइफ केयर में हृदय रोगियों को दिया निशुल्क परामर्श

मेदिनीनगर : शहर स्थित स्थानीय आशी लाइफ केयर अस्पताल में रविवार को हृदयरोग विभाग की शुरूआत हो गई। इस मौके पर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ पंकज प्रभात ने हृदय के मरीजों का निशुल्क परामर्श दिया। डॉक्टर प्रभात ने डॉक्टर साकेत के साथ मिलकर दो सौ मरीजों को देखा। इस मौके पर डॉ प्रभात ने कहा कि पलामू जैसे जगह पर आशी लाइफ केयर अस्पताल में सारी सुविधाएं होने से हार्ट के मरीजों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हृदय के मरीजों को कई जरूरी टिप्स भी दिए। उन्होंने बताया कि कोविड की चपेट में आने वालों में अधिकांश लोगों को हार्ट से संबंधित समस्या होने की शिकायत मिली।

मृतक परिवार से मिली विधायक सुनिता चौधरी

गोला : प्रखंड के सुतरी पंचायत संगातू निवासी चरकू तुरी के बेटा प्रदीप तुरी का उडीसा के संबलपुर मे काम करने जा रहे थे इसी क्रम में ट्रेन के चपेट में आने मृत्यु हो गया इस सूचना को मिलते ही रामगढ़ विधायक सुनिता चौधरी ने स्टेशन पर कैप मे संपर्क कर के शव को एंबुलेंस के माध्यम से घर पहुंचाने में मदद किया। साथ हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मौके पर गोला प्रमुख गीता देवी समाजसेवी आरती देवी आजसू अनुसूचित जाति महासभा प्रखंड अध्यक्ष विशु रजवार विनय नायक नितिश खन्ना जगदीश तुरी इन्देव तुरी जगदीश सिंह मिडिया प्रभारी प्रवीण कुमार विशुन तुरी आंनद बेदिया गोपाल करमाली आदि मौजूद थे।

50 हजार रानी मिस्त्रियों ने पुरुषों के वर्चस्व वाले पेशे में गाड़ा झंडा, पीएम मोदी भी बढ़ा चुके हैं हौसला

रांची : झारखंड की महिलाएं खेती-किसानी, ज्ञान-विज्ञान और सरकारी-निजी क्षेत्र की नौकरियों में कामयाबी के शिखर तक पहुंच रही हैं। अब राज्य की महिलाओं ने पुरुषों के वर्चस्व वाले राजमिस्त्री के काम भी दक्षता हासिल कर ली हैं। झारखंड की करीब 50 हजार महिलाओं ने अब ईट, बालू और गिट्टी ढोने का काम छोड़कर मिस्त्री का काम शुरू किया। इन महिलाओं को रानी मिस्त्री के नाम से बुलाया जाता हैं। उसके हाथ जब दीवारों की चिनाई करते हैं तो उसके काम की रफ्तार देखकर लोग दंग रह जाते हैं। जितनी देर में राजमिस्त्री एक दीवार की चिनाई करते हैं उतनी देर में वह दो दीवारों की चिनाई कर चुकी होती है। नाम है सुनीता देवी। झारखंड के लातेहार जिले के उदयपुरा गांव की रहने वाली और अपने इलाके की मशहूर रानी मिस्त्री। वह वर्ष 2019 में भारत के राष्ट्रपति के हाथों भारत सरकार की ओर से कामकाजी महिलाओं को प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान नारी शक्ति पुरस्कार से नवाजी जा चुकी हैं। दरअसल ईंट-कंक्रीट जोड़ने और प्लास्टर तक के काम में आम तौर पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है। उन्हें राज मिस्त्री के नाम से जाना जाता है। लेकिन झारखंड में ऐसी महिलाओं की तादाद करीब 50 हजार है, जिन्होंने राजमिस्त्री के पेशे में खुद को न केवल स्थापित किया है, बल्कि अपनी कार्यकुशलता से हर किसी को चमत्कृत भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भी इनकी सफलता की कहानियां पहुंची हैं और वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए खूंटी जिले की कुछ रानी मिस्त्रियों से बात कर उनका हौसला बढ़ा चुके हैं।

बिहार में महिला मेयर के बच्चों ने फंसाई कुर्सी

बिहार के छपरा के महिला मेयर की कुर्सी उनके बच्चों से की वजह से खतरे में नजर आ रही है। मेयर राखी गुप्ता के 3 संतान होने वाला मामला एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बार राज्य चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। मेयर को अपने वकील के साथ आकर जवाब देने के लिए कहा है। राज्य चुनाव आयोग द्वारा 4 मई को उपस्थित होने का आखिरी नोटिस दिया है। इससे पहले भी आयोग ने उन्हें कई बार बुलाया है। पूर्व मेयर सुनीता देवी ने वर्तमान मेयर राखी गुप्ता पर तीन बच्चा होने का आरोप लगाया गया है। आरोप में कहा गया है कि मेयर राखी गुप्ता के तीन संतान होने के बावजूद उन्होंने अपने शपथ पत्र और नामांकन फॉर्म में गलत जानकारी दी है। राखी गुप्ता के तीन संतानों के नाम श्रीयांशी प्रकाश (14 वर्ष),

शिवंशी प्रकाश (9 वर्ष) और श्रीश प्रकाश (6 वर्ष) है। 2008 के बाद उन्हें ये तीन संतानें हुई हैं, लेकिन अपने नामांकन में उन्होंने सिर्फ दो के बारे में ही जानकारी दी। वहीं, आरोप को लेकर मेयर राखी गुप्ता का कहना है कि उनके पति वरुण प्रकाश के मौसा ठाकुर प्रसाद और मौसी उर्मिला शर्मा निसंतान है। दोनों की अधिक उम्र होने के कारण संतान होने की संभावना भी नहीं है। ऐसे में उन्होंने पति की रजामंदी के बाद अपने तीसरे संतान श्रीश प्रकाश (6 वर्ष) को गोद देने का फैसला लिया। इसलिए वह अपने ऊपर लग रहे आरोप को निराधार बता रही हैं। इसको लेकर तत्कालीन निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी को शिकायत भी किया गया था, लेकिन पुख्ता प्रमाण नहीं होने से कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। मेयर राखी गुप्ता के चुनाव जीतने के कुछ दिन बाद एक बच्चे को अपने रिश्तेदार को गोद दिए जाने का निबंधन पत्र वायरल होने लगा। इसमें साफ जिक्र किया गया है कि राखी गुप्ता को पूर्व से दो बच्चियां हैं और तीसरे बच्चा होने के बाद वह अपने रिश्तेदार को गोद दे रही हैं। इसको लेकर पूर्व मेयर सुनीता देवी ने चुनाव आयोग में शिकायत किया। इसके बाद चुनाव आयोग द्वारा सारे कागजात को स्थानीय जिलाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी से सत्यापित करवाया गया। इसमें दोनों पदाधिकारी द्वारा चुनाव आयोग को रिपोर्ट सौंप दिया गया है। चुनाव आयोग ने नगर निकाय चुनाव के लिए दो बच्चों का नियम जारी करते हुए निर्देशित दिया था। बिहार नगर पालिका अधिनियम 2007 की धारा 18 (1) (ड) के अनुसार 4 अप्रैल 2008 के बाद से तीसरे संतान का जन्म होने वाले उम्मीदवार चुनाव के लिए अयोग्य होंगे। तीन संतान से जुड़ी नोटिस पर मेयर राखी गुप्ता ने बताया कि हम चुनाव आयोग और न्यायालय का सम्मान करते हैं। यह एक रूटिंग नोटिस है, जो प्रत्येक कुछ समय पर चुनाव आयोग से भेजा जाता है। नोटिस का जवाब दिया गया है। तीन संतान के आरोप पर मेरे वकील की तरफ से जवाब भेज दिया गया है।

जेल से छूटकर आए अधेड़ की गोली मारकर हत्या

भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव में शनिवार की देर रात पूर्व के विवाद को लेकर घर में घुसकर हथियायरबंद अपराधियों ने जेल से छूट कर आए एक अधेड़ की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। अधेड़ को सिर में गोली मारी गई है। इसके कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव वार्ड नंबर 4 निवासी अकलू यादव के 46 वर्षीय पुत्र घनश्याम यादव हैं एवं वह पेशे से किसान थे। इधर, मृतक के बेटे प्रदीप यादव ने बताया कि 26 अप्रैल 2021 में गांव के ही बृजेश यादव के हत्या हुई थी।

पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट की बैठक

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक 23 अप्रैल को ओवरब्रिज बाईपास के समीप मृगनैनी होटल के प्रांगण में आयोजित की गई है।इस आशय की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि बैठक में पृथ्वीराज चौहान प्रतिमा निर्माण कार्यक्रम की समीक्षा अर्थ संग्रह की समीक्षा अन्य सामाजिक कार्यों की चर्चा सहित विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा होगी। विदित हो कि पृथ्वीराज चौहान ने भारत माता की अस्मिता की रक्षा करने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उनके स्मृतियों को जीवंत करने वास्ते औरंगाबाद जिले में भव्य और दिव्य प्रतिमा का निर्माण किया जाना है ।साथ ही साथ उनके अभिन्न मित्र चंदबरदाई की भी प्रतिमा लगाई जाएगी बैठक में सभी संघीय पदाधिकारी एवं कार्यशील सदस्यों की गरिमामई उपस्थिति होगी।

पृथ्वी का संतुलन बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी: डॉ मार्टिना जॉन

बिलासपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जरहाभाठा स्थित विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी (उपासना एजुकेशन ट्रस्ट) में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संजीवनी हॉस्पिटल की फिजियोथेरेपिस्ट कंसलटेंट डॉक्टर

मार्टिना जॉन मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि धरती का संतुलन बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है । उन्होंने जनरल ड्यूटी असिस्टेंट एवं मेडिकल लेब टेक्निशियन के बच्चों को पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने और धरती को दोहन से सुरक्षित रखने के विभिन्न उपाय बताये। उन्होंने बच्चों से सवाल कर उनकी शंकाओं का निराकरण भी किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्लोगन लिखकर पर्यावरण एवं पृथ्वी को स्वस्थ्य व सुरक्षित रखने का संदेश दिया। विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी की सचिव संध्या चंद्रसेन ने कहा कि वर्ष 2023 की थीम ह्यप्रजातियों को संरक्षित करें रखी गई है लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो परिदृश्य आज हमारे सामने है, ऐसा लगातार बना रहा तो एक दिन ऐसा आएगा जब पृथ्वी से जीव जंतुओं व वनस्पति का अस्तित्व ।कार्यक्रम में विश्वास सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मिंटू अरोरा, सचिव श्रीमती संध्या चंद्रसेन, नर्सिंग प्रशिक्षक मनीषा सैमुएल एवं छात्रगण लीशा साहू, विनीता साहू, नेहा निर्मलकर, रीना, श्रद्धा साहू , दीप जोशी, उषा निर्मलकर,शिवांगी,तनुजा एवं ममता उपस्थित रहीं।

औरंगाबाद में दो पक्षों में हिंसक झड़प

औरंगाबाद में शनिवार शाम जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस हिंसा में तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना सलैया थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव की है। जख्मियों में कठौतिया गांव निवासी 74 वर्षीय सत्येंद्र यादव, 42 वर्षीय सुनील यादव, 38 वर्षीय विनय यादव शामिल है। घटना के बाद आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया] जहां से प्राथमिक इलाज के बाद नाजुक हालत देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों द्वारा एक ही जमीन को अपना-अपना बताया जाता है। इसी विवाद को लेकर शनिवार की शाम पहले दोनों पक्षों के बीच बहस हुई और फिर

मारपीट हो गई। जमकर लाठी-डंडा चली] जिसमें सभी लोग जख्मी हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया। जख्मी सत्येन्द्र यादव ने मारपीट का आरोप गांव के ही विशेश्वर यादव, तपेश्वर यादव, धनी यादव, सुरेश यादव, धंनजय, राजू, संजय, राहुल और विकास पर लगाया है। घटना की सूचना सलैया थाना पुलिस को दे दी गई है। इस संबंध में सलैया थानाध्यक्ष ने बताया कि मारपीट की घटना की जानकारी मिली है। आवेदन मिलने पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

जमुई में सड़क हादसा, एक की मौत

जमुई- लखीसराय मुख्य मार्ग स्थित हांसडीह के समीप शनिवार की देर रात स्कार्पियो की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। फिलहाल मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी देते हुए डायल 112 पुलिस टीम के जवान शिव बहादुर प्रसाद ने बताया कि पटना से उन्हें सूचना मिली कि हांसडीह के समीप सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया है। घटनास्थल पर घायल सड़क किनारे गिरा पड़ा है। जिसे स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान पता चला कि तेज रफ्तार स्कार्पियो ने उक्त व्यक्ति को ठोकर मारते हुए फरार हो गया। वहीं घटना के बाद स्थानीय पुलिस मृतक व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश में जुट गई है। स्थानीय लोगों ने बताया की स्कार्पियो सवार काफी तेज रफ्तार से आ रही थी। जिस कारण बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी ने बताया की सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गया। जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। उसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। वहीं इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बताया कि अंधेरा होने के कारण वाहन का नंबर नहीं देखा पाया। साथ ही बताया की वाहन की गति तेज कर वाहन चालक लखीसराय की और फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि वाहन की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। मृतक का उम्र लगभग 40 वर्ष के करीब बताया जाता है।

पूर्व जिप अध्यक्ष ने जल संकट की स्थिति से डीएम को कराया अवगत

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले में जल संकट से जूझ रहे जिले वासियों को स्थाई निदान के लिए ठोस कदम उठाने वास्ते पूर्व जिप अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने वर्तमान जिला पदाधिकारी सुहर्ष भगत को अवगत कराया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष

भूगर्भ जल स्तर गिरते जा रहा है जो चिंता का विषय है। इसका स्थाई निदान के लिए अविलंब पहल करने की आवश्यकता है। इस संकट के कई कारण हैं बेतहाशा भूगर्भ जल स्तर का दोहन आवश्यकता से अधिक जल का दुरुपयोग उद्योग एवं कृषि में बढ़ता हुआ जल खपत एवं भूगर्भ जल संग्रह का ना होना सहित अनेक कारण हैं। आज शहर से लेकर गांव तक पके घर एवं नाली बन गए हैं और पानी नाले नदियों से होते हुए समुद्र मैं जा रहा है स्थानीय भूगर्भ मैं जल का नहीं जाना जल स्तर को प्रत्येक वर्ष नीचे ले जा रहा है एक दिन ऐसा ना आ जाए जब लोग पेयजल के लिए तड़पने को विवश हो जाएं। इस संदर्भ में पूर्व जिप अध्यक्ष ने कुछ सुझाव रेखांकित किए हैं-1 माननीय मुख्यमंत्री जी के घोषणा के अनुसार नदी आहर पोखर तालाब कुएं और अन्य जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराकर उन्हें सुदृढ़ करना और इसे अविलंब कार्यान्वित कराया जाना चाहिए। 2 शहरों में नगर निकायों को निर्देशित करके प्रत्येक घर में सोखता का निर्माण निश्चित कराया जाना चाहिए। नगरों एवं गांव में तालाबों की उड़ाही एवं नए तालाबों का निर्माण किया जाना चाहिए जिसमें भूगर्भ जल को जोड़ने की व्यवस्था भी किया जाए। औरंगाबाद जिले के अंदर नदी एवं अन्य नदियों एवं नालों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। 3 नदी और नालों में बांध का निर्माण करवाया जाए एवं उनकी सफाई की व्यवस्था भी कराया जाए। 4 नल जल योजना के साथ विभिन्न स्थानों पर लापरवाही से पानी बहते रहती है उन्हें स्थानीय स्तर पर रोकने की व्यवस्था की जाए। जिले के जनप्रतिनिधियों शिक्षण संस्थानों के माध्यम से जल सुरक्षा सीमित उपयोग एवं भविष्य के लिए जागरूकता अभियान चलाई जाए।

नगर निगम के नाम कर रहा था अवैध वसूली

भोजपुर पुलिस ने अवैध रूप से चुंगी वसूली कर रहे आसामजिक तत्वों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधी के पास से एक विदेशी पिस्टल बरामद किया गया, जिसकी कीमत मार्केट में करीब बारह लाख रुपए आकी जा रही। गिरफ्तार अपराधी नवादा थाना क्षेत्र के श्रीटोला मुहल्ला निवासी स्व राजकुमार पासवान का पुत्र बिजू पासवान है। अपराधी के पास 9 जिंदा कारतूस और एक मोबाइल मिला है। इधर,एएसपी चंद्र प्रकाश ने बताया कि नवादा थाना क्षेत्र के प्राइवेट बस स्टैंड के समीप असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध वसूली की जा रही थी। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मेरे नेतृत्व में टीम का गठन किया गया । टीम में नवादा थाना इंचार्ज, क्यूआरटी के आठ अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। चंद्र प्रकाश ने

बताया की बस स्टैंड के समीप नगर निगम के नाम लोगों से अवैध वसूली करने की बात सामने आई थी। जिसके टीम ने त्वरित कार्रवाई करते बिजु पासवान को गिरफ्तार किया गया । इसके पास से यूएसए मेड विदेशी पिस्टल बरामद किया गया । अपराधी ने बताया की विदेशी पिस्टल उसे एक कूड़े के ढेर पर मिला, लेकिन पुलिस इसकी सत्यता की जांच कर रही है । विदेशी पिस्टल को लेकर पुलिस पकड़े गए अपराधी से पूछताछ कर रही है, इसको देने वाले की पता लगाई जा रही।

मुजफ्फरपुर में माहौल बिगाड़ने की कोशिश

मुजफ्फरपुर जिले के एक मंदिर में एक युवक अशोभनीय हरकत कर रहा था। जिसके बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। इसी बीच मौके देखकर वह वहां से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने उसे घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बता दें कि जिले के नगर थाना क्षेत्र के बड़ी कल्याणी चौक स्थित मंदिर में शनिवार देर शाम एक युवक अशोभनीय हरकत कर रहा था। युवक को लोगों ने पकड़ लिया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई की गई। इस बीच मौके का फायदा उठाकर वह मौके से किसी तरह भाग निकला। युवक की इस हरकत के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे। जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। जिस कारण मौके पर भीड़ लग गई। मौके पर मौजूद लोग काफी हंगामा करने लगे। जिस कारण स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई। आक्रोशित लोग आरोपी युवक की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। जिसके बाद पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार किया है। मंदिर में लघुशंका करने के बाद युवक वहां से फरार हो गया। वही कुछ दूर आगे जाने के बाद एक और मंदिर में ऐसी ही हरकत करने लगा। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की। मौके का फायदा उठाकर वो वहां से फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस की मदद से उसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय लोगो ने थाना में इस संबंध में आवेदन दिया है। जिसमें कल्याणी बाड़ा,दीवान रोड निवासी मो.अख्तर के बीस वर्षीय पुत्र मो.मोइउद्दीन को आरोपी बनाया है। लोगो ने आरोप लगाया है कि युवक

मंदिर के पास आकर माता के प्रतिमा के सामने लघुशंका करते हुए विशेष धर्म का नारा लगाने लगा। जब मंदिर के पुजारी बीरेंद्र ठाकुर ने उसको रोकना चाहा तो उनके साथ हाथा पाई करने लगा। वही मौके का फायदा उठा कर वहाँ से भाग निकला। विशेष पुलिस टीम ने शनिव ार को कल्याणी चौक और आसपास के मोहल्ले में फ्लैग मार्च भी निकाला। असामाजिक तत्वों को हिदायत दी गई। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील भी की गई। नगर डीएसपी राघव दयाल ने बताया कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। नगर थानेदार श्रीराम सिंह ने बताया कि मोबाइल से सूचना मिली थी कि एक 20 साल का मोहमडन लड़का है। बड़ी कल्याणी स्थित मंदिर में पेशाब कर रहा था। हम लोगों ने उसके घर से उसको गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगो के द्वारा लिखित आवेदन दिया जा रहा है। उसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार युवक की पहचान दीवान रोड के मो.मोइउद्दीन के रूप में हुई है।

अतीत के पन्नों में जल्द ही दफन हो जायेगी कांग्रेस: नंदकिशोर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुये कहा कि जो नफरत की राजनीति करते हैं, उनका हश्र कांग्रेस के युवराज की तरह होता है। ऐसे लोग न घर के रहते हैं, न घाट के।श्री यादव ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस के युवराज ने अपने नफरत भरे बयानों से पूरी पिछड़ी जाति का अपमान किया था। ऐसे लोगों का यही अंजाम होता है कि उन्हें घर खाली करना पड़ता है। कांग्रेस तो पहले ही देश के जनमानस से विदाई ले चुकी है। लोगों अब कांग्रेस नहीं, सिर्फ उसके काले कारनामे याद हैं।श्री यादव ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति से भले ही लोगों को कुछ समय के लिए भ्रमित कर सत्ता हासिल कर ली जा सकती है। लेकिन, यह टिकाऊ नहीं हो सकती। भ्रमित कर सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने वाले लोग इस तरह धराशायी होते हैं कि उन्हें कुछ अता-पता नहीं रहता। कांग्रेस का भी यही हाल है, कांग्रेस जल्द ही अतीत के पन्नों में दफन हो जायेगी।

बिहार के 31 जिलों में आंधी का यलो अलर्ट

बिहार में रविवार को पटना सहित 31 जिलों में बारिश की स्थिति बन सकती है। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग ने इन जिलों में गरज और आकाशीय बिजली के साथ आंधी को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में सीवान सबसे गर्म जिला रहा है। यहां का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, पिछले दो दिनों में पटना के अधिकतम तापमान में करीब 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया था, जो शनिवार को 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 17 जिलों में 110 एमएम बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश अररिया में 23.2 एमएम हुई है। बारिश की वजह से दिन और रात का तापमान सामान्य के करीब या उससे चार डिग्री कम तक रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के

मुताबिक, बारिश के प्रभाव से दिन का तापमान 34 से 38 डिग्री और रात में 20 से 24 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। शनिवार की सुबह आरा में ठकना गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में शुक्रवार की रात बारिश के दौरान ओलावृष्टि भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार यानी 24 अप्रैल को पटना सहित राज्य के अधिकतर जिलों में ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली और गरज के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे अधिकतम तापमान में कमी आने की संभावना है। मौसम विभाग ने 31 जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के साथ गरज और आकाशीय बिजली को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। जिसमें पूर्वी पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, पटना, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, गया, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, जमुई, नवादा, मुंगेर, खगड़िया, बांका, भागलपुर, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, सुपौल, कटिहार और किशनगंज शामिल हैं। पिछले 24 घंटे में सीवान सबसे गर्म जिला रहा। यहां का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, पटना का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस, नालंदा का 37.4 डिग्री सेल्सियस, गया का 37.4 डिग्री सेल्सियस, नालंदा का 37.4 डिग्री सेल्सियस, नवादा का 36.6 डिग्री सेल्सियस, जमुई का 35.7 डिग्री सेल्सियस, बांका का 37 डिग्री सेल्सियस और अन्य जिलों का तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे ही दर्ज किया गया। अररिया के मौसम वैज्ञानिक प्रभात कुमार ने बताया कि अगले चार दिनों तक लोगों को लू से राहत मिलेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। इस दौरान पुरवा हवा भी चलती रहेगी। जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। चार दिनों के बाद तापमान में एक बार फिर बढ़ोत्तरी होगी।

8 महीने बाद बिहार में एक्टिव केस 800 के पार

बिहार में कोरोना का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में राज्य में एक्टिव केस 860 दर्ज किया गया, जो 8 महीने बाद सबसे ज्यादा है। इससे पहले 26 अगस्त 2022 को एक्टिव केस 886 रिकॉर्ड किया गया था। वही, पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 198 नए केस सामने आए। इसमें 71 मामले राजधानी पटना के हैं। भागलपुर में 25, गया में 22 और पूर्णिया में 20 मरीज मिले हैं। शुक्रवार को राज्य में 133 और पटना में 52 मरीज मिले थे। शनिवार को इस साल पहली बार राज्य में 150 से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए। इधर, कोरोना के खतरे को देखते हुए राज्य के विभाग की ओर से नए मामलों को लेकर अपडेट जारी किया गया है।

पीपीयू ने घोषित की प्री पीएचडी परीक्षा की तारिख

पूर्णिया विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्री पीएचडी टेस्ट की परीक्षा की तारिख घोषित कर दी है। पूर्णिया विश्वविद्यालय यह परीक्षा 30 अप्रैल को आयोजित करने जा रहा है। विश्वविद्यालय यह परीक्षा शहर के दो केंद्रों पर आयोजित करेगा। बता दें कि पूर्णिया विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए 189 सीट हैं। जिन सीटों के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है। पूर्णिया विश्वविद्यालय ने परीक्षा के संबंध में 20 अप्रैल को पत्र जारी कर किया है। इसमें विश्वविद्यालय ने पूर्णिया कॉलेज पूर्णिया और महिला कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया है। जहां दो सिटिंग में परीक्षा आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 11 बजे से 12 बजे तक आयोजित होगी। इसमें दौरान सामान्य विषय की परीक्षा ली जाएगी। वहीं दूसरी पाली 12:15 बजे से 2:15 बजे तक आयोजित होगी। इसमें सबजेक्टिव विषय की परीक्षा होगी। पूर्णिया विश्वविद्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार पूर्णिया कॉलेज सेंटर पर विषय की परीक्षा आयोजित होगी। जबकि महिला कॉलेज केंद्र पर और ल्ड्ढी ग्रील्ली के विषयों की परीक्षा होगी। विश्वविद्यालय की परीक्षा के आयोजन से संबंधित पत्र पूर्णिया कॉलेज और महिला कॉलेज के प्राचार्य के अलावा राजभवन और राज्य सरकार को भी भेज दी है।

संपादकीय

पुंछ में आतंकी हमले

काफी दिनों बाद जम्मू-कश्मीरमें सैन्य जवानों को निशाना बनाया गया। बृहस्पतिवार को पुंछ जिले में सैन्य वाहन पर 4 की संख्या में आए आतंकियों ने ग्रेनेड और अन्य घातक हथियारों से हमला किया। इस हमले में राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। जिस इलाके में यह वारदात हुई है वहां पिछले वर्ष आतंकवादियों और सैन्य कर्मियों के बीच कई दिन तक मुठभेड़ हुई थी। बहरहाल, सेना और स्थानीय पुलिस तफ्तीश में जुटी हुई हैं और ड्रोन से आतंकियों की तलाश की जा रही है। जहां हमला हुआ वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) से ज्यादा दूर नहीं है। तीन तरफ से हमला करने के बाद आतंकी भारी बारिश और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। साफ है कि उनकी तैयारियां सेना के जवानों के मुकाबले बेहतर थी और उन लोगों ने जवानों को पलटवार करने का कोई भी मौका नहीं दिया। हमले से हटके एक चर्चा यह भी है कि सेना और सरकार के बीच इस बात पर चर्चा हो रही थी कि राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को यहां से दूसरी जगह भेजा जाए और यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के जवानों की तैनाती की जाए। अलबत्ता, तमाम सख्ती और सजगता के बावजूद अभी भी घाटी में कुछ इलाकों-दक्षिण पीर पांजाल श्रेणी, राजौरी सेक्टर-में आतंकवादियों की घुसपैठ होती रहती है। बृहपतिवार को हुआ हमला पीर पांजाल श्रेणी में हुआ है। पाकिस्तान हमेशा से घाटी में अस्थिरता फैलाने और निर्दोष लोगों का खून बहाने की साजिश रचता रहा है। सीज फायर और सीमा पर एक-दूसरे के खिलाफ गोलीबारी नहीं करने की शर्त के बावजूद पाकिस्तान अपनी करतूतों से बाज आता नहीं दिखता है। यह हमला ऐसे वक्त अंजाम दिया गया है जब घाटी में जी-20 की बैठक प्रस्तावित है। हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने जी-20 बैठक को भी निशाना बनाने की गीदड़भभकी दी है। कश्मीर में कोई भी सरकारी कार्यक्रम अगर शांति के साथ संपन्न हो जाए तो पाकिस्तान के हुक्मरान संकट में आ जाएंगे। इसलिए बीच-बीच में वह अपने पाले और पोसे गए आतंकियों के दम पर भारत में हिंसा फैलाता है। देखना है, मोदी सरकार पाकिस्तान को कब और कैसा जवाब देती है। फिलहाल, सरकार और सेना की चुनौती जी-20 की होने वाली बैठक को बिना किसी खून-खराबे और हिंसा के बिना कराने की है।

कश्मीर रहा है सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़

अतिप्राचीन भारत में कैलाश पर्वत के आसपास भगवान शिव के गणों की सत्ता थी। उक्त इलाके में ही दक्ष राजा का भी साम्राज्य था। ऐसा माना जाता है कि कश्यप ऋषि कश्मीर के पहले राजा थे। कश्मीर को उन्होंने अपने सपनों का राज्य बनाया था और कश्यप ऋषि के नाम पर ही कश्यप सागर (कैस्पियन सागर) और कश्मीर का प्राचीन नाम पड़ा था। शोधकर्ताओं के अनुसार कैस्पियन सागर से लेकर कश्मीर तक ऋषि कश्यप के कुल के लोगों का राज फैला हुआ था। कश्यप की एक पत्नी कद्रू के गर्भ से नागों की उत्पत्ति हुई जिनमें प्रमुख 8 नाग थे- अनंत (शेष), वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख और कुलिक। इन्हीं से नागवंश की स्थापना हुई। आज भी कश्मीर में इन नागों के नाम पर ही कई स्थानों के नाम हैं। कश्मीर का अनंतनाग नागवंशियों की राजधानी हुआ करता था। हाल में अखनूर से प्राप्त हड़प्पा कालीन अवशेषों तथा मौर्य, कुषाण और गुप्त काल की कलाकृतियों से जम्मू के प्राचीन इतिहास का पता चलता है। 1184 ईसा पूर्व के राजा गोनंद से लेकर राजा विजय सिम्हा (1129 ईसवी) तक के कश्मीर के प्राचीन राजवंशों और राजाओं के प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध हैं। जम्मू कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र पहले हिन्दू शासकों और फिर बाद में मुस्लिम सुल्तानों के अधीन रहा। बाद में यह क्षेत्र अकबर के शासन में मुगल साम्राज्य का हिस्सा बन गया। वर्ष 1756 से अफगान शासन के बाद वर्ष 1819 में यह क्षेत्र पंजाब के सिख साम्राज्य के अधीन हो गया था। जब भारत को अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई तब धर्म के नाम पर भारत के एक बड़े भूभाग को अलग कर पाकिस्तान बना दिया गया था। उस समय भी जम्मू, कश्मीर और लद्दाख ये तीनों अलग अलग क्षेत्र थे और यह तीनों क्षेत्र एक ही राजा के अधीन थे तथा 26 अक्टोबर 1947 को इस क्षेत्र के शासक महाराज हरी सिंह ने अपने क्षेत्र के भारतीय संघ में विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विभाजन की इस त्रासदी के समय भी पाकिस्तानी सेना ने कबाईलियों के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर इसके बहुत बड़े भू भाग पर कब्जा कर लिया था। इस आक्रमण का भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब देते हुए कब्जा मुक्ति का अभियान बहुत सफलतापूर्वक चला रही थी लेकिन बीच में ही तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी जिसके कारण लगभग आधा जम्मू कश्मीर आज भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। यह तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल मानी जाती है, जिसके चलते यह क्षेत्र पिछले लगभग 70 वर्षों तक अशांत क्षेत्र बना रहा है। हालांकि कश्मीर सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़ रहा है परंतु कश्मीर का इतिहास और भूगोल दोनों ही बदल दिए गए हैं। हमें ऐसा आभास कराया जाता है कि कश्मीर क्षेत्र इस्लाम के कब्जे के क्षेत्र रहा है। तत्कालीन नेहरू सरकार की जम्मू कश्मीर से सम्बंधित दूसरी सबसे बड़ी गल्ती थी राज्य में धारा 370 लागू करवाना। इस धारा के अंतर्गत केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता है, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती है, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती है, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था। कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, नागरिकों के हितार्थ पूरे देश में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था एवं इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के चलते कोई भी उद्योगपति अपना निवेश इस क्षेत्र में करने को तैयार ही नहीं होता था। इस क्षेत्र के नागरिकों को लाभ पहुंचाने, इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने एवं आतंकवाद को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से दिनांक 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को खास दर्जा देने वाली धारा 370 को कानूनी रूप से खत्म कर दिया था।

सूक्ति

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है।
– एलिशिया मेकेडो

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।
– हेनरी वार्ड बीचर

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

कर्नाटक में रोचक हुआ सत्ता का संग्राम

रमेश सर्राफ धमोरा

> कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां भाजपा सत्ता विरोधी लहर के चलते बचाव की मुद्रा में है। वहीं कांग्रेस सहित जनता दल सेक्युलर व अन्य विपक्षी दल पूरी तरह सरकार पर हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया व प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के मध्य गुटबाजी चल रही है। मगर ऊपरी तौर पर सभी कांग्रेसी नेता एकजुट होकर चुनावी मैदान में नजर आ रहे हैं। वर्तमान माहौल में यदि कांग्रेस के सभी नेता एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

कर्नाटक में आगामी दस मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पूर्व कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम देश की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगें। भाजपा ने सत्ता विरोधी माहौल को समाप्त करने के लिए 52 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा ने पार्टी के संस्थापकों में से एक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे लक्ष्मण सावदी का भी टिकट काट दिया है।

भाजपा के बड़े नेता रहे के. अंगारा, आर शंकर और एमपी कुमार स्वामी ने भी टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस के निशान पर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। जगदीश शेट्टार 6 बार विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सहित कई बार मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। इतने लंबे राजनीतिक जीवन में उन पर कभी किसी तरह के आरोप नहीं लगे हैं। इसलिए उनकी छवि साफ मानी जाती। बीएस येदुरप्पा के बाद वह लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं।

शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बीएस येदुरप्पा व ईश्वरप्पा के इस बार चुनावी मैदान में नहीं होने से पार्टी के पास बड़े चेहरे का भी अभाव है।

कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह से भाजपा को हरा कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई जाए ताकि पार्टी के गिरते जनाधार को रोका जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं। उनकी सदा से ही मुख्यमंत्री बनने की चाहत रही है जो इस बार सरकार बनने पर पूरी हो सकती है। वैसे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के सामने अपने गृह प्रदेश में सरकार बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है।

कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर मैसूरू कर्नाटका इलाके में अपना मजबूत जनाधार रखती है। प्रदेश की 100 सीटों पर जनता दल सेक्युलर चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की ताकत रखती है। जनतादल सेक्युलर ने किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि चुनाव में पिछले बार की तरह किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। ऐसे में वह अपने जीते हुए विधायकों के बल पर सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक करोड़ 33 लाख 28 हजार 524 वोट यानी 36.35 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटें मिली थी। वही कांग्रेस को एक करोड़ 39 लाख 86 हजार 526 वोट यानी 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 80 सीटों पर जीत मिली थी। जनता दल सेक्युलर को 67 लाख 26 हजार 667 वोट यानी 18.30 प्रतिशत वोटों के साथ 37 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा से 6 लाख 58 हजार दो वोट यानी 1.70 प्रतिशत अधिक मत लेकर भी भाजपा से 24 सीटों से पिछड़ गई थी। इसका मुख्य कारण था जनता दल सेकुलर का कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाना। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास कर्नाटक के सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का कोई बड़ा नेता भी नहीं था। लेकिन इस बार जगदीश शेट्टार के आने से कांग्रेस को लिंगायत समुदाय के वोट बैंक में सेंध लगाने का एक बड़ा हथियार मिल गया है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। ऐसे में कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर ने मिलकर जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में सरकार का गठन कर लिया था।। मगर 14 महीने बाद ही भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल सेक्युलर के विधायकों से इस्तीफे दिलवा कर जोड़-तोड़ से अपनी सरकार बना ली थी। उस समय बीएस येदुरप्पा भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। मगर येदुरप्पा की मनमानी व उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार को लेकर लगे आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा और जुलाई 2021 में बसवराज बोम्मई को भाजपा ने नया मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि बोम्मई मुख्यमंत्री बन गए मगर सरकार पर पूरा प्रभाव पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येद्दयुरप्पा का ही रहा। 2019 में जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने के बाद से ही कर्नाटक भाजपा में लगातार उथल पुथल होती रही है।

चुनाव से पहले कई बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने से भाजपा मुश्किलों में घिरी नजर आ रही है। वही भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत तक की कमीशन खोरी के आरोप लगाकर कांग्रेस उन्हें लगातार कटघरे में खड़ा करती रही है। पिछले दिनों बेंगलुरु में लोकायुक्त पुलिस ने बीजेपी विधायक मदाल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को एक ठेकेदार से 40 लाख रूपयों की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उसके बाद प्रशांत कुमार के घर से छः करोड़ रूपये भी बरामद किए गए थे। प्रशांत कुमार बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड में चीफ अकाउंटस ऑफीसर थे। उन्हें कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के आफिस से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। उनके पिता व भाजपा विधायक मदाल विरुपक्षप्पा कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के चेयरमैन थे। प्रशांत कुमार पर लोकायुक्त पुलिस ने आरोप लगाया था कि वह अपने पिता के स्थान पर रिश्वत की पहली किस्त प्राप्त कर रहे थे।

पिछले साल तुमकुर जिले के एक ठेकेदार ने तब के मंत्री ईश्वरप्पा पर रिश्वत लेने का आरोप लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके चलते ईश्वरप्पा को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि बाद में जांच कर ईश्वरप्पा को बरी कर दिया गया था। इसी के चलते इस बार ईश्वरप्पा को टिकट से वंचित रखा गया है। कर्नाटक में पौने चार साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार लगातार आरोपों से घिरी रही है। जिस कारण आम जनता में भाजपा के प्रति सत्ता विरोधी माहौल व्याप्त हो रहा है। उसी के चलते काफी विधायकों के टिकट भी काटे गए हैं। हालांकि भाजपा गुजरात की तर्ज पर अधिकांश विधायकों के टिकट काटना चाहती थी। मगर बीएस येदुरप्पा के विरोध के चलते ऐसा नहीं कर पाई।

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां भाजपा सत्ता विरोधी लहर के चलते बचाव की मुद्रा में है। वहीं कांग्रेस सहित जनता दल सेक्युलर व अन्य विपक्षी दल पूरी तरह सरकार पर हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया व प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के मध्य गुटबाजी चल रही है। मगर ऊपरी तौर पर सभी कांग्रेसी नेता एकजुट होकर चुनावी मैदान में नजर आ रहे हैं। वर्तमान माहौल में यदि कांग्रेस के सभी नेता एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

विचार-मंथन

2004 की तरह अति आत्मविश्वास में है भाजपा?

सनत जैन

भारतीय जनता पार्टी, इंडिया शाइनिंग की तरह अति आत्मविश्वास में भरी हुई प्रतीत हो रही है। पिछले तीन-चार माह से केंद्र सरकार के ऊपर जिस तरह के आरोप लग रहे हैं। उससे केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओर भारतीय जनता पार्टी के लिये बढ़ती हुई दिख रही हैं। विशेष रुप से अडानी समूह को लेकर राहुल गांधी और विपक्ष ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घेराबंदी की है। उसका असर सभी विपक्षी दलों के ऊपर पड़ा है। सभी विपक्षी दल एकजुट होते हुए नजर आ रहे हैं। सरकार भी बचाव की मुद्रा में आती हुई दिख रही है। पिछले 3 महीनों से जिस तरह के हमले एकजुट होकर विपक्ष द्वारा सरकार पर किए जा रहे हैं। संसद सत्र के दौरान यह आक्रमकता और उग्रता स्पष्ट रूप से देखने को मिली है।

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पाई। विपक्षी दल सरकार के दबाव में नहीं आए। जिन विपक्षी दलों का एक साथ खड़ा होना मुश्किल था।वह भी एक साथ खड़े हो गए। इसके बाद से सरकार दबाव में है।आम आदमी पार्टी भी पूरी मुखरता के साथ सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर ले रही है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष के नेताओं को ईडी और सीबीआई ने जिस तरह से अपने शिकंजे में ले रखा है। उसने भी सारे विपक्ष को एकजुट कर दिया है। ईडी और सीबीआई की जांच कई महीनों तक लंबित बनी रहने,और विपक्षियों पर लंबे समय तक तलवार लटकाए रखने को लेकर अब विपक्ष अलग रहते हुए भी एकजुट हो गया है। विपक्ष ने ईडी,सीबीआई के साथ-साथ न्यायालयों में भी अपने हितों की लड़ाई लड़ना सीख लिया है।

हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा जो हलफनामा हाईकोर्ट में दायर किया गया है। उसमें रॉबर्ट वाड्रा और डीएलएफ को लेकर कोई सबूत नहीं होने की बात हलफनामा में कही है। प्रियंका गांधी और गांधी परिवार को घेरने के लिए जीजा जी के नाम पर जो बवंडर भाजपा ने बनाया था। 8 साल के बाद भी उसका कोई सबूत हरियाणा सरकार नहीं खोज पाई। प्रियंका और रॉबर्ट वाड्रा जी के ऊपर से बवंडर तो छट गया। भाजपा की विश्वसनीयता भी मतदाताओं के बीच में कम हुई है। हाल ही में जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने भी भाजपा की मुश्किलें बढ़ाई हैं। सत्यपाल मलिक ने जम्मू कश्मीर में बीमा कंपनी और पुलवामा में 40 सैनिकों की शहादत मामले को लेकर जिस तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। उसने भी सरकार की मुसीबतों को बढ़ाने का काम किया है। किसान आंदोलन में जो आश्वासन सरकार नेकिसान नेताओं को लिखित में दिए थे। वह अभी तक पूरे नहीं हुए। सत्यपाल मलिक किसान परिवार के हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा हरियाणा के किसानों के बीच उनका बहुत असर है। किसानों की मांग पूरी नहीं होने पर खाप पंचायतें और किसान आंदोलन एक बार फिर सिर उठाने लगा है। विपक्ष एकजुट होकर जिस तरह से जेपीसी की मांग पर अड़ा है। विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सीधे हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि अभी तक विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला करने से बचता था। यह माना जाता था,कि प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर हमला करने से भाजपा को फायदा होता है। लेकिन विपक्ष का यह भय अब दूर हो गया है। जिस तरह से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष को घेरते थे। उसी तरह से विपक्ष अब सरकार को घेरकर आक्रमकता का परिचय दे रहा है। जनता पर भी सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है।

भारतीय जनता पार्टी और सरकार का दबाव, मीडिया, संवैधानिक संस्थाओं, और जांच एजेंसियों के माध्यम से बहुत सारी स्थितियों को नियंत्रित करने में अभी तक सफल थी। लेकिन अडानी समूह पर हिंडन बर्ग की रिपोर्ट ने अडानी समूह को बहुत बड़ा झटका दिया। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अडानी की आड़ में निशाने पर ले लिया है। अडनी समूह की कंपनियों की जांच दुनिया के कई देशों में हो रही है। अडानी समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा है। भारत सरकार अडानी का कितना ही समर्थन कर दे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकार के लिए अडानी को बचा पाना नामुमकिन है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक हलकों में चर्चा होने लगी है, जिस तरह से 2004 में इंडिया शाइनिंग का अति आत्मविश्वास भाजपा में बना हुआ था। उसी तरीके का अति आत्मविश्वास वर्तमान में देखने को मिल रहा है। राजनीतिक हल्कों में चर्चा होने लगी है,यदि यही स्थिति रही, तो जिस तरह से कर्नाटक भाजपा में विधानसभा के चुनाव के पहले बगावत देखने को मिली है। इसी तरीके की बगावत लोकसभा चुनाव के पहले राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में देखने को मिल सकती है। उसका सबसे बड़ा उदाहरण, सत्यपाल मलिक जैसे सरकार के भरोसेमंद भाजपा नेता हैं। भाजपा संगठन के कई बड़े शीर्ष नेता नेपथ्य में हैं। वह वर्तमान नेतृत्व की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। सत्यपाल मलिक, किसान आंदोलन को लेकर सरकार के रुख से नाराज हुए, सीधे यही चुनौती दे रहे हैं। भाजपा के नाराज नेताओं को मुखर होने का मौका और हिम्मत सत्यपाल मलिक जैसे नेता देने का काम कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी संगठन को वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए गंभीरता से विचार कर उपयुक्त निर्णय लेना चाहिए। पिछले 9 सालों में जो आभा मंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा का बना था। वह आभामंडल धीरे-धीरे दरक रहा है। अति-आत्मविश्वास कहीं धोखे का कारण ना बन जाए।

वैश्विकी

यूक्रेन के दलदल में जापान

डॉ. दिलीप चौबे

यूक्रेन संकट को लेकर जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा की अतिसक्रियता ने भारत की विदेश नीति के लिए एक नई समस्या पैदा कर दी है। भारत यात्रा के बाद किशिदा सीधे यूक्रेन पहुंचे तथा वहां घोषणा की कि 'यूक्रेन एशिया का भविष्य है।' ऐसे समय जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ताइवान संकट में उलझने से इनकार किया है, उस समय किशिदा यूक्रेन को लेकर चिंतित क्यों हैं। हजारों मील दूर पूर्वी यूरोपीय देश में संघर्ष से जापान की सुरक्षा को क्या खतरा है यह समझ से परे है। किशिदा सरकार ने देश की 'शांतिवादी' विदेश और सुरक्षा नीति में बदलाव करते हुए रक्षा बजट में भारी वृद्धि की है। रूस जापान के इस बदलते रवैये से खुश नहीं है।

रूस और जापान के बीच कुछ द्वीपों (कुरील) को लेकर विवाद है। उसी क्षेत्र में रूस के तेल और गैस भंडार हैं जिनमें भारतीय कंपनियों का भारी निवेश है। इन्हीं संसाधनों का उपयोग करने के लिए भारत और रूस ने ब्लादिवोस्तोक और चेन्नई के बीच समुद्री परिवहन गलियारा संचालित करने की महत्त्वपूर्ण परियोजना पर काम शुरू किया है। किशिदा की यूक्रेन यात्रा के तुरंत बाद रूस ने अपने सुदूर-पूर्वी समुद्री बेड़े को सतर्क कर दिया तथा सैन्य अभ्यास शुरू किया। यह जापान के लिए सीधा संकेत था। अभी तक हिंद प्रशांत क्षेत्र में ताइवान ही संभावित संघर्ष का केंद्र माना जा रहा था। अब रूस और जापान के बीच तनातनी के संकेत से इस क्षेत्र में संघर्ष का एक नया क्षेत्र उभर रहा है। अब तक भारत यूक्रेन संकट को लेकर रूस और पश्चिमी देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाये रखा है। अब उसके सामने रूस और जापान के बीच संभावित शक्ति परीक्षण के संबंध में संतुलन कायम करने की चुनौती है। इन्हीं परिस्थितयों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अगले महीने के मध्य में जापान में आयोजित नेता के रूप में जी-7 शिखर वार्ता में आमंत्रित देश के नेता के रूप में भाग लेना है।

प्रधानमंत्री मोदी को जी-7 शिखर वार्ता में पश्चिमी देशों और जापान के दबाव का सामना करना होगा। इन देशों की ओर से यह दबाव डाला जाएगा कि भारत यूक्रेन युद्ध के संबंध में तटस्थता के अपने रवैये में बदलाव करे। वास्तव में अभूतपूर्व आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस को भारत से बहुत संबल मिला है। एक ओर चीन ने रूस के साथ अघोषित सैन्य लामबंदी की है वहीं दूसरी ओर भारत ने आर्थिक और राजनयिक नजरिये से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों को नाकाम बनाया है। भारत के इस रवैये से पश्चिमी देश नाराज हैं। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका इजहार नहीं किया है। लेकिन आने वाले दिनों में भारत के प्रति इन देशों का रवैया सख्त होगा। इसका संकेत जापान ने हाल में आयोजित जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दिखाई दिया।

जी-7 देशों ने यह चेतावनी दी है कि रूस के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों की अनदेखी करने वाले देशों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह धमकी देते समय संयुक्त वक्तव्य में चीन या भारत का नाम नहीं लिया गया। भारत रियायती मूल्य पर रूस से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है। अभी तक रूसी तेल की कीमत जी-7 देशों की ओर से मनमाने तौर पर लागू की गई अधिकतम (प्राइसकैप) धनराशि के दायरे में ही थी। लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे मेल की कीमतों में हो रही वृद्धि के कारण यह संभव है कि भारत को रूसी तेल प्राइस कैप के ऊपर खरीदना पड़े। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल में कहा था कि भारत प्राइस कैप के ऊपर भी रूसी तेल खरीद सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह पश्चिमी देशों को खुली चुनौती होगी। दुनिया में अमेरिका के प्रभाव में कमी आ रही है, लेकिन इसके बावजूद वह किसी भी देश का हाथ मरोड़ सकता है। शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने विरोधी देशों में तख्ता-पलट कराने और राजनीतिक नेताओं की हत्या कराने के हथकंडे अपनाये थे। अब समय बदल गया है, लेकिन किसी भी देश को अमेरिका के कोप का सामना करना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री मोदी को अगले वर्ष आम चुनाव में जनादेश लेना है। रूस के रियायती कच्चे तेल से आर्थिक मोर्चे पर देश को राहत मिली है, लेकिन अमेरिका की कोप दृष्टि घरेलू मोर्चे पर भी मोदी के लिए सिरदर्द साबित हो सकती है।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना – रातू, जिला – रांची, झारखंड, पिन – 835222 से मुद्रित। प्रधान संपादक – फहीम अख्तर* (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पाकिस्तान में क्षेत्रीय अलगाववाद को एक प्रोफेसर ने किया उजागर

इस्लामाबाद। भारत के विकास के एजेंडे को पाकिस्तान पचा नहीं पा रहा है। भारत के डेवलपमेंट को देखकर आए दिन पाकिस्तानियों के जलने की खबर आती रहती है। एक पाकिस्तानी प्रोफेसर एमएस रजा ने लद्दाख एयरपोर्ट पर लगे साइन बोर्ड को लेकर शहबाज शरीफ सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक तस्वीर को ट्वीट कर लिखा कि यह लद्दाख का लेह एयरपोर्ट है। उन्होंने आगे बताया कि लेह एयरपोर्ट पर लग रहे साइन बोर्ड पर स्थानीय भाषा में भी जानकारियां दी गई हैं। पाकिस्तान में इस तरह की जानकारी वहां की स्थानीय भाषा में नहीं दी जाती है। उन्होंने इस साइनबोर्ड को पाकिस्तान के क्षेत्रीय अलगाववाद से जोड़ा। रजा नेशनल इक्वेलिटी पार्टी गिलगित बाल्टिस्तान एंड लद्दाख के चेयरमैन हैं। प्रोफेसर एमएस रजा ने ट्वीट में लिखा है कि ये है लद्दाख का लेह एयरपोर्ट। क्या आप जानते हैं इस तस्वीर में क्या है खास? स्थानीय भाषा। इस हवाई अड्डे के बोर्ड के ऊपर लद्दाख की स्थानीय भाषा लिखी हुई है। पहचान और मान्यता का यही अर्थ है। हमें गिलगित, बाल्टिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कहीं भी किसी भी बोर्ड पर एक भी शब्द नहीं लिखा हुआ मिला। गिलगिट बाल्टिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में हमारी पहचान, संस्कृति और मान्यता से जुड़ी हर चीज नष्ट हो रही है और पंजाबी पहचान और संस्कृति हावी हो रही है।

हीटवेव से 15,000 से अधिक लोगों की यूरोप में मौत

– एशियाई देशों में भी रिकॉर्ड गर्मी

नई दिल्ली। यूरोप में हीटवेव के कारण पिछले साल 15000 से ज्यादा मौतें हुई थी। इस साल भी हीटवेव से यूरोप के देश भारी संकट में है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन, धरती का तापमान बढ़ने से चिंतित है। पर्यावरण में परिवर्तन आने के कारण बाढ़, सूखा, ठंड और गर्मी का चक्र सारी दुनिया के देशों में तेजी के साथ बदल रहा है। विश्व के मानचित्र पर एशियाई महाद्वीप में भी रिकॉर्ड गर्मी दर्ज की जा रही है। भारत, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, चीन सहित एशियाई देशों के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल गर्मी ने सारी दुनिया में अपना प्रचंड रूप दिखाया था। इस वर्ष भी कई एशियाई देश भारी गर्मी की चपेट में है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा 2022 की जो वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई है। उसमें कहा गया है कि ग्रीन हाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर ने, वैश्विक स्तर पर सूखा, बाढ़ और हीटवेव के कारण मौसम में परिवर्तन लाने का काम किया है। इसका असर बड़ी तेजी के साथ जन जीवन के ऊपर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 3 ग्रीन हाउस गैसों, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में गर्मियों के दौरान हीटवेव से स्पेन में लगभग 4600 जर्मनी में 4500 यूनाइटेड किंगडम में 2800 फ्रांस में लगभग 2800 तथा पुर्तगाल में 1000 से अधिक लोगों की मौत का कारण हीटवेव था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 1850 के बाद 2022 का साल दुनिया का सबसे गर्म साल रिकॉर्ड किया गया है।

नासा ने शेयर किया पृथ्वी का अद्भुत वीडियो, 90 लाख से अधिक लोग देख चुके

वाशिंगटन। नासा ने पृथ्वी का एक अद्भुत वीडियो इंस्टा पर शेयर किया है, जिसे अबतक 90 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। ब्रह्मांड के बारे में जानना, समझना और पढ़ना एक रहस्य के बारे में खोज करनेवालों के लिए नासा का इंस्टाग्राम हैंडल एक खजाना है जो इन रहस्य की गहराई में गोता लगाना चाहते हैं। अंतरिक्ष एजेंसी नासा के इंस्टाग्राम हैंडल से नियमित रूप से आकर्षक वीडियो और फोटो शेयर किया जाता है। हाल ही में स्पेस एजेंसी ने एक शानदार वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो पृथ्वी को एक अलग एंगल से दिखाता है। वीडियो देख आप भी रोमांच से भर उठेंगे और एक अलग ही दुनिया में खो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शानदार वीडियो को शेयर करते हुए नासा ने लिखा 'देखिए जैसे जैसे दुनिया गुजरती है, सचमुच। वे लोग जो हमारे गृह ग्रह को एक अलग एंगल से देखने के दुर्लभ अवसर के लिए पृथ्वी की कक्षा में गए हैं, उनका कहना है कि अंतरिक्ष में यह नीला संगमरमर वास्तव में काफी सुंदर और रोमांचकारी है जब इसे 250 मील सीधे ऊपर से देखा जाता है।' वीडियो के कैप्शन में नासा ने जानकारी दी। नासा ने कहा 'अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन वीडियो को मार्च 2022 और मार्च 2023 के बीच अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अभियान 67 और 68 के दौरान कैप्चर किया गया था।' आईएसएस 409 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करता है। यह 90 मिनट में पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी करता है। कैप्शन में आगे लिखा है 'आप अपने आप को एक घंटे की ड्यूटी की छुट्टी के साथ एक स्टेशन क्रू मेंबर के रूप में कल्पना करें। वैसे खिड़की से बाहर देखने से बेहतर कुछ हो सकता है भला।' पोस्ट किए जाने के बाद से वीडियो को 90 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो को 8 लाख से ज्यादा लाइक्स और 2000 से अधिक कमेंट्स मिल चुके हैं।

29 लोगों ने भूखा रहकर दी जान

केन्या। अफ्रीका के देश केन्या में एक ईसाई पास्टर के कहने पर 29 लोगों ने भूखा रहकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इन लोगों के शवों को किल्फी प्रांत में शाकाहोला के जंगल से बरामद किया। दरअसल, गुड न्यूज इंटरनेशनल चर्च के पास्टर ने इन लोगों को कहा था कि अगर ये भूखे रह कर खुद को दफन कर लेते हैं तो इनकी मुलाकात जीसस से होगी और इन्हें स्वर्ग नसीब होगा। अब इन लोगों के शवों को निकालने का काम तीन दिनों से चल रहा है। केन्या की पुलिस ने एक कब्र से तो एक ही परिवार के 5 लोगों को निकाला है। जो एक साथ जीसस से मिलना चाहते थे। पुलिस को अभी तक 65 कब्र मिली हैं। इनसे लोगों को निकालने का काम चल रहा है।

2027 में ताइवान पर हमला करेगा चीन

ताइपे। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने दावा किया है कि चीन उनके देश पर 2027 तक हमला कर देगा। चीन से लगातार मिल रही धमकियों के बीच वू ने एक इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम चीन की मिलिट्री के खतरे को गंभीरता से ले रहे हैं। हमें लग रहा है कि 2027 वो साल होगा जब हम पर हमला हो सकता है। ताइवान इस लड़ाई के लिए तैयारी कर रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि ताइवान को उन्हीं के जैसी विचारधारा वाले देश ही चीन के हमले से बचा पाएंगे। यहां अपने जैसी विचारधार से उनका मतलब ब्रिटेन और अमेरिका से है। जो ताइवान को सैन्य सहायता देते रहे हैं।

नस्लवाद आज ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व, शोधकर्ता का दावा

लंदन। एक नए शोध से पता चला है कि नस्लवाद ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व है और देश में जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों के एक-तिहाई से अधिक लोगों ने किसी न किसी रूप में नस्लवाद का सामना किया है। इस शोध को अंजाम देने वाले दल में भारतीय मूल की एक शिक्षिका भी शामिल है। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की वरिष्ठ व्याख्याता और शोध के सह-लेखकों में से एक डॉ. धर्मी कपाड़िया ने नस्ली भेदभाव को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया। कपाड़िया ने नस्लवाद और जातीय असमानताओं के सिलसिले में 'सेंटर ऑन डायनेमिक्स ऑफ एथ्निसिटी' (सीओडीई) द्वारा किए गए 'एविडेंस फॉर इक्वैलिटी नेशनल सर्वे' (ईवीईएनएस) नामक सर्वेक्षण पर किंग्स कॉलेज लंदन और सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय के लेखकों के साथ काम किया। कपाड़िया ने कहा है ?कि हमारा डेटा इस बात का पुख्ता सबूत है कि नस्लवाद आज ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व है। उन्होंने कहा है ?कि हालांकि, नस्लवाद से निपटने के लिए केवल कार्यस्थलों और मेट्रोपॉलिटन पुलिस जैसे संस्थानों से खराब लोगों को हटाने से काम नहीं चलेगा। जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए बेहतर माहौल और अवसर सुनिश्चित करने के लिए हमें उन नीतियों व प्रक्रियाओं को गंभीरतापूर्वक बदलने की जरूरत है, जो नस्ली भेदभाव को जारी रखने में मदद करती हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वालों ने नस्लवाद के अलग-अलग रूपों का जिक्र किया, जिनमें शारीरिक, मौखिक या संपत्ति को नुकसान जैसे रूप शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने शिक्षा, काम और घर ढूंढने के मामले में भी नस्लवाद का सामना करने की बात कही। कुल मिलाकर, हर छह प्रतिभागियों में से लगभग एक ने नस्लीय रूप से प्रेरित शारीरिक हमले का सामना किया।

हंगरी में एक परेड कर साइकिल को आवागमन के लिए एक बेहतर साधन के तौर पर पेश करते हुए लोग।

रूस से सस्ता तेल खरीदना पाकिस्तान को पड़ सकता है भारी

इस्लामाबाद। भारत की नकल करते हुए पाकिस्तान को रुस से सस्ता तेल खरीदना भारी पड़ सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी दबाव को नजरअंदाज करते हुए भारत रूस से भारी मात्रा में तेल आयात कर रहा है। चीन ने भी मॉस्को से तेल खरीदना जारी रखा है। अब रूस से सस्ता तेल आयात करने वाले एशियाई देशों में पाकिस्तान भी शामिल हो गया है। लेकिन भारत की नकल पश्चिम को नाराज कर सकती है और संकटों से घिरे देश पर भारी पड़ सकती है। भारत के रूस से तेल खरीदने का जब पश्चिमी देशों ने विरोध किया तो विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारा जवाब दिया था लेकिन पाकिस्तान फिलहाल किसी को भी जवाब देने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने बताया कि इस्लामाबाद ने रूस के साथ एक नए सौदे पर साइन किए हैं जिसके तहत कच्चे तेल का पहला ऑर्डर दे दिया गया है और कार्गो मई में कराची बंदरगाह पर डॉक करेगा। मलिक ने कहा कि अगर पहला लेनदेन सुचारू रूप से हो जाता है तो मॉस्को के साथ हुए नए सौदे के तहत पाकिस्तान का आयात प्रति दिन 1,00,000 बैरल तक पहुंचने की उम्मीद है। बता दें कि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस अब अपने परंपरागत यूरोपीय खरीदारों के बजाय एशिया, अफ्रीका और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में तेल निर्यात कर रहा है। रूस और पाकिस्तान की डील महीनों लंबी बातचीत के बाद हुई है। इस साल की शुरुआत में रूस के ऊर्जा मंत्री निकोले शुल्गिनोव ने पाकिस्तान की यात्रा की थी। यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत और चीन रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार बन गए हैं जो 1.9 मिलियन बैरल तेल रोज खरीद रहे हैं। यह कुल मिलाकर तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा है। पाकिस्तान भी अब सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के अलावा रूस से ऊर्जा व्यापार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की एक महत्वपूर्ण शुरुआत कर रहा है।

पीएम मोदी की पहल पर सूडान से सुरक्षित निकाले गए भारतीय नागरिक

-विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी समकक्ष से की बातचीत, जरुरी सुविधाएं कराएंगे मुहैया

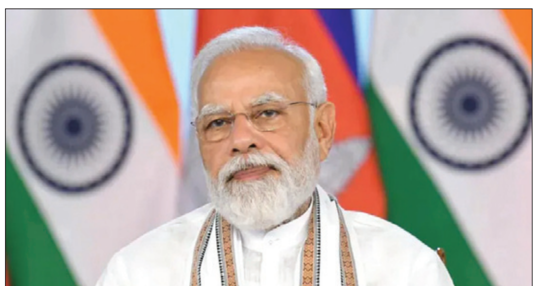

रियाद (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर हिंसाग्रस्त सूडान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल कर सऊदी अरब पहुंचा दिया गया है। सूडान में इस समय चारों ओर हिंसा हो रही है। इस बीच हिंसाग्रस्त सूडान से सऊदी अरब द्वारा निकाले गए 'मित्रवत और भाईचारे वाले देशों' के 66 लोगों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। निकासी विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा अपने सऊदी अरब समकक्ष से बात करने के कुछ दिनों बाद हुई। वहां सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई के कारण सूडान हिंसा का सामना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 72 घंटे के सीजफायर के बीच भी हिंसा की खबरें आ रही हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है कि सऊदी अरब के नेतृत्व के निर्देशों के कार्यान्वयन में, हम सूडान से सऊदी अरब के निकाले गए नागरिकों और राजनयिकों और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों सहित भाईचारे और मित्र देशों के कई नागरिकों के सुरक्षित आगमन की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी अफ्रीकी देश सूडान से न केवल उसके अपने नागरिकों बल्कि सहयोगी और मित्र राष्ट्रों के कई नागरिकों को निकाला गया।

मंत्रायल के बयान में आगे कहा गया है कि निकाले गए नागरिकों की संख्या 91 तक पहुंच गई, जबकि भाईचारे और मित्र देशों के निकाले गए नागरिकों की संख्या लगभग 66 तक पहुंच गई। इनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, बुल्गारिया, कुवैत, कतर, यूएई, मिस्र, ट्यूनिशिया, फिलीपींस, कनाडा और बुर्किना फासो के नागरिक हैं। सऊदी अरब इन सभी को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने सूडान में हाल के घटनाक्रमों का आकलन किया और वर्तमान में देश भर में स्थित 3,000 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ जमीनी स्थितियों की पहली रिपोर्ट प्राप्त की। वहीं एक भारतीय नागरिक के निधन पर शोक व्यक्त किया, जो पिछले सप्ताह गोली का शिकार हो गया था।

गौरतलब है कि सूडान के सेना प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान और उनके डिप्टी मोहम्मद हमदान डागलो के प्रति वफादार बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सेना का नेतृत्व जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान कर रहे हैं वहीं अर्द्धसैनिक बल का नेतृत्व मोहम्मद हमदान डागालो कर रहे हैं। सेना ने अक्टूबर 2021 में तख्तापलट किया था। तबसे वह संप्रभुता परिषद के जरिए देश चला रहा है। वहीं जबकि आरएसएफ खुद को देश की सेना का हिस्सा मान रहा हैं और सूडान में फिर से नागरिक सरकार स्थापित करना चाहता है।

पाकिस्तान : इमरान खान की पार्टी ने चुनावी तैयारियां की शुरू, सोमवार से पंजाब सूबे में चुनाव प्रचार की होगी शुरुआत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) ने रविवार को घोषणा की कि वह सोमवार को आधिकारिक रूप से पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शुरू करेगी। हालांकि, अबतक पंजाब सूबे में चुनाव के तरीखों की घोषणा नहीं की गई है।

पीटीआई के महासचिव असद उमर ने कहा, ''तहरीक-ए-इंसाफ कल से आधिकारिक रूप से अपना चुनाव प्रचार शुरू करेगी। वे (सत्तारूढ़ पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट गठबंधन) चुनाव के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन हम तैयार हैं।'' यह रोचक है कि पीटीआई ने अनिश्चितता के बीच देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में चुनाव प्रचार शुरू कर रही है। इस सूबे से सबसे अधिक करीब 150 सदस्य संसद के लिए निर्वाचित होते हैं। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग चुनाव कराने के लिए संघीय सरकार से कोष मिलने का इंतजार कर रहा है।

सऊदी अरब से दो अरब डॉलर की सहायता पाने को पाकिस्तान ईद के बाद कर सकता है समझौता

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी) नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान दो अरब डॉलर की अतिरिक्त जमा पाने के लिए सऊदी अरब के साथ ईद के बाद समझौता कर सकता है। सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस कदम से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज हासिल करने में मदद मिलेगी, जिसकी उसे इस समय बहुत अधिक जरूरत है। पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ समझौता करने के लिए मार्च में सऊदी अरब से धनराशि देने की पुष्टि करने का आग्रह किया था। पाकिस्तान को इसी महीने रियाद से अतिरिक्त राशि जारी करने की मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान को सऊदी अरब से यह सहयोग बेहद महत्वपूर्ण समय में मिल रहा है।

आईएमएफ के साथ 2019 में हस्ताक्षरित कार्यक्रम 30 जून, 2023 को निष्क्रिय हो जाएगा और तय दिशानिर्देशों के अनुसार उसके बाद कार्यक्रम को आगे नहीं बढ़ाया जा सकेगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान के सामने एक शर्त रखी है कि उसे सात अरब डॉलर का राहत पैकेज पाने के लिए पहले दूसरे देशों से तीन अरब डॉलर जुटाने होंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने द न्यूज इंटरनेशनल को बताया कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान दो अरब डॉलर के अतिरिक्त जमा के लिए ईद के तुरंत बाद सऊदी फंड ऑफ डेवलपमेंट (एसएफडी) के साथ एक समझौता करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि सऊदी अरब ने आईएमएफ से द्विपक्षीय सहयोग की पुष्टि कर दी है।

भारत यात्रा से पहले 'होम-वर्क' करने की जरूरत: नेपाल पीएम 'प्रचंड'

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड अगले महीने होने वाली अपनी बहुप्रचारित भारत यात्रा से पहले व्यापक तैयारियां कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें होम-वर्क करने की जरूरत है। उनकी भारत यात्रा की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कहा कि प्रचंड मई के पहले या दूसरे सप्ताह में नयी दिल्ली जा सकते हैं। पिछले साल दिसंबर में नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और व्यापार, ऊर्जा, कृषि, संस्कृति तथा हवाई सेवा से जुड़ी चर्चा भारतीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत में प्रमुखता से शामिल होगी।

प्रचंड ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, मैं भारत की अपनी आगामी यात्रा की तैयारी कर रहा हूं, जो जल्द ही हो रही है। हमें यात्रा से पहले उचित होम-वर्क करने की आवश्यकता है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उनकी यात्रा के लिए जमीनी कार्य शुरू कर दिया है। इस साल की शुरुआत में प्रचंड ने घोषणा की थी कि वह पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाएंगे। पिछले साल जुलाई में प्रचंड भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के निमंत्रण पर भारत गए थे। उस समय उन्होंने भाजपा अध्यक्ष के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। प्रचंड ने पिछले साल 26 दिसंबर को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने नाटकीय रूप से नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व गठबंधन से बाहर निकलकर विपक्ष के नेता के पी शर्मा ओली से हाथ मिला लिया था।

स्वत: संज्ञान के अधिकार का मूल उद्देश्य जनहित है, निजी सुख नहीं : पीएम शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि स्वत: संज्ञान के अधिकार का मौलिक उद्देश्य उसका इस्तेमाल जनहित के लिए करना है, न कि किसी खास इंसान के लिए। शरीफ का यह बयान सत्तारूढ़ गठबंधन और न्यायपालिका के बीच जारी तनातनी के बीच आया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नीत सरकार उच्चतम न्यायालय (कार्यप्रणाली औरप्रक्रिया) विधेयक 2023 को कानूनी रूप देने का प्रयास कर रही है, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश उमर अटा बांदियाल के स्वत: संज्ञान लेने की शक्ति को कम करना और मामलों की सुनवाई के लिए न्यायाधीशों के पैनल का गठन करना है।

सरकार के इस कदम को लेकर विधायिका और न्यायपालिका के बीच ठनी हुई है। शुरुआत में इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया और कानूनी रूप देने के लिए इसे राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा गया। लेकिन, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से ताल्लुक रखने वाले राष्ट्रपति अल्वी ने इसे लौटाते हुए कहा कि प्रस्तावित कानून ''संसद के दायरे से बहुत बाहर है।'' हालांकि, 10 अप्रैल को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में खान की पार्टी के सदस्यों के हंगामे के बीच यह विधेयक फिर से पारित हो गया।

शुक्रवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने इस कानून को अधिसूचित कर दिया। 'द डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, लाहौर की कोटलखपत जेल का दौरा करने और वहां के कैदियों की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के बाद मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री शरीफ ने सवाल किया कि जेलों और उनमें बंद कैदियों से जुड़े मुद्दों पर अदालत ने कितनी बार स्वत: संज्ञान लिया है। अखबार के मुताबिक, शरीफ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को जनहित के मुद्दों पर स्वत: संज्ञान लेने और उन पर सुनवाई करने का अधिकार प्राप्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''क्या आपने जेल अधिकारियों से पूछा कि उनके पास कितने कैदी हैं, क्योंकि स्वत: संज्ञान नोटिस का मूल उद्देश्य जनहित है... निजी सुख नहीं। कैदियों के साथ न्याय और उनकी भलाई से जुड़े मुद्दों पर कितने स्वत: संज्ञान लिए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि लाहौर जेल में चार हजार, पंजाब जेल में 50 हजार और देश की अन्य जेलों में लाखों कैदी बंद हैं। शरीफ ने कहा, ''हजारों ऐसे कैदी हैं, जिन्हें कानूनी रूप से तत्काल रिहा किया जा सकता है। अदालतों ने इस दिशा में कितना काम किया है। देश की जनता मुझसे और संस्थाओं से यह सवाल पूछती है।

जलवायु संकट से निपटने में दुनिया की सफलता आंशिक रूप से भारत के फैसलों पर निर्भर करेगी : यूएस

न्यूर्याक (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के सिलसिले में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत और अन्य देशों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त करते हुए अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने कहा है कि जलवायु संकट से निपटने में दुनिया की सफलता आंशिक रूप से भारत द्वारा लिए गए निर्णयों पर निर्भर करेगी। उन्होंने यह बात 'पीटीआई' के साथ एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका प्रौद्योगिकी और वित्तीय सहायता के माध्यम से इस प्रयास का साथ देने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि वर्तमान मुद्दों में से कोई भी जलवायु संकट से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। जलवायु संकट का सामना करने में दुनिया की सफलता आंशिक रूप से भारत द्वारा लिए गए निर्णयों पर निर्भर करेगी।'' ऊर्जा संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''2030 तक भारत में 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता बनाने के प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) के संकल्प का हम बहुत सम्मान करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी टीम हर दिन इस चुनौती पर एकसाथ काम कर रही हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि न केवल अमेरिका और भारत, बल्कि भारत और बाकी दुनिया के मिलकर काम करने से हम वास्तव में इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों तक पहुंचेंगे।'' एक सवाल के जवाब में डोनाल्ड लू ने कहा कि इस ग्रह का भविष्य कुछ हद तक हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व करने की भारत की क्षमता पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, ''मुझे कुछ चीजें पसंद हैं जो आज भारत के प्रमुख उद्योगपति कह रहे हैं। वह यह है कि भारत न केवल अपने लिए पर्याप्त हरित ऊर्जा का उत्पादन करेगा, बल्कि भारत दुनिया के लिए सबसे बड़ा हरित ऊर्जा निर्यातक बनना चाहता है।'' भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी है। अप्रैल 2021 में, अमेरिका और भारत ने यूएस-इंडिया क्लाइमेट एंड क्लीन एनर्जी एजेंडा 2030 पार्टनरशिप, की शुरुआत की थी।

सलमान के सामने खलनायक होना बेहतर है : जगपति बाबू

जगपति बाबू सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान के साथ व्यावसायिक हिंदी फिल्म में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जगपति बाबू इस फिल्म में खलनायक के रूप में दिखाई देंगे। वे इस भूमिका के लिए सलमान खान का आभार जताते हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए जगपति बाबू ने कहा, ईमानदारी से, मैं सलमान भाई का आभारी हूं क्योंकि यह एक बहुत अच्छी भूमिका है। बहुत सारे लोग हैं जो इसे कर सकते थे लेकिन उन्होंने मुझ पर ध्यान दिया। यह इतनी सहज प्रक्रिया थी कि यह कुछ ही समय में खत्म हो गई। जब उनसे पूछा गया कि सलमान खान का विरोधी होना कैसा लगता है तो उन्होंने जवाब दिया, सलमान भाई के खिलाफ कुछ भी ठीक है, लेकिन खलनायक होना बेहतर है क्योंकि वह नायक को और भी मजबूत बनाता है। मुझे किसी का भाई किसी की जान में खलनायक के रूप में बहुत महत्व मिला। किसी का भाई किसी की जान को एक क्रॉस-सांस्कृतिक एक्शन से भरपूर मनोरंजन के रूप में जाना जाता है, जो उत्तर और दक्षिण को एक साथ लाता है। जगपति बाबू मुस्कुराते हुए कहते हैं, यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था, लेकिन मुझे खुशी है कि आखिरकार यह हो रहा है। मैं उत्तर और दक्षिण में विश्वास नहीं करता, यह एक भारतीय उद्योग है। यह एक अच्छा अहसास है क्योंकि मुझे अपने सभी दोस्तों के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेता जगपति बाबू ने अपने 5 दशक के लंबे करियर में विभिन्न शैलियों में किरदार निभाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उसका पसंदीदा क्या है? वह जवाब देते हैं, मैंने हर तरह की भूमिकाएँ की हैं – परिवार, कॉमेडी, त्रासदी, हिंसा। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं 1993 में आई एक फिल्म – गयाम की तर्ज पर कुछ निभाना पसंद करूंगा। मैं सिर्फ बड़े पर्दे तक ही सीमित नहीं हूं, मैं एक अभिनेता हूं और मैं यहां कोई भी किरदार करने के लिए हूं। वह अंतापुरम से सराय वीराराजू की स्पिन ऑफ करने के लिए भी उत्सुक हैं। फिल्म को अंततः शक्ति के रूप में हिंदी में बनाया गया था। मैंने जो किरदार निभाया वह जंगली था और एक स्पिन ऑफ बहुत अच्छा होगा। मेरे पास उसके लिए एक स्क्रिप्ट थी, लेकिन फिर, हमने इसे नहीं करने का फैसला किया। किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान, पूजा हेगड़े, वेंकटेश और जगपति बाबू शामिल हैं। यह 21 अप्रैल, 2023 को रिलीज़ होगी।

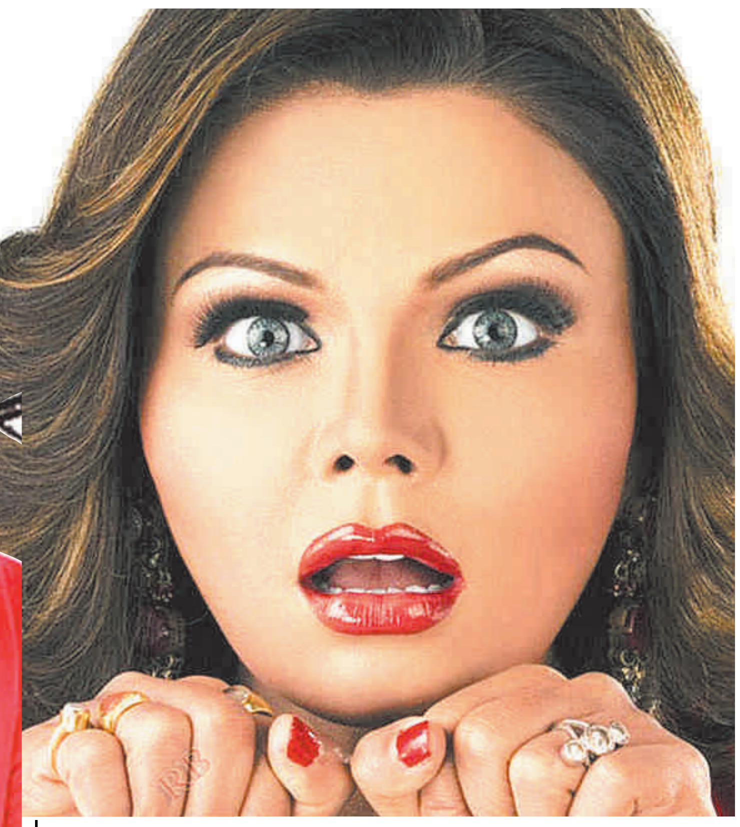

राखी सावंत को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दी धमकी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। वहीं ड्रामा क्वीन राखी सावंत को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने धमकी दे डाली है। बता दें कि राखी सलमान खान के साथ खास बॉन्ड शेयर करती हैं। वह सलमान को अपना भाई मानती है। सलमान भी राखी के मुश्किल वक्त में हमेशा उनकी मदद करते नजर आते हैं। शायद इस वजह से सलमान के बाद राखी को धमकी मिली है। राखी सावंत को धमकी भरे ईमेल भेजे गए हैं, जिसमें उन्हें सलमान खान से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। मेल में कहा गया है कि सलमान खान को हम बॉम्बे में मारेंगे तू (राखी सावंत) इसमें इंवॉल्व मत हो, वरना प्रॉब्लम में आ जाएगी। बताया जा रहा है कि यह मेल गुर्जर प्रिंस नाम के व्यक्ति ने भेजा है, जो खुद को लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप/गोल्डी बरार ग्रुप का बता रहा है। इस धमकी भरे ईमेल में लिखा है, जय बालकारी, राखी हमारी तेरे से कोई लड़ाई नहीं है, तू सलमान खान के मैटर में इंवॉल्व मत हो, वरना तुझे बहुत प्राब्लम हो जाएगी। तेरे भाई सलमान को हम बॉम्बे में ही मारेंगे, वो कितनी भी सिक्योरिटी बढ़ा ले अबकी बार उसे सिक्योरिटी में ही मारेंगे, ये लास्ट वार्निंग है राखी तेरे लिए वरना फिर तू तैयार रहना। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद राखी सावंत ने कहा, वो (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) कह रहे हैं कि अगर तुमने सलमान खान के बारे में बात की तो हम तुम्हें मार देंगे। लेकिन मैं सलमान के बारे में बात करूंगी, क्योंकि जब मेरी मां बीमार थी, तब उन्होंने मेरी मां की मदद की थी।

शैलेष लोढ़ा ने की निर्माताओं पर कानूनी कार्यवाही

लगातार 14 साल तक एक ही शो में काम करके प्रसिद्धि के शिखर पर पहुँचने वाले अभिनेता शैलेष लोढ़ा ने अपने शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता असित मोदी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की है। प्राप्त समाचारों के अनुसार शैलेष ने अपना बकाया पैसा न दिए जाने पर असित मोदी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और उनकी प्रोडक्शन कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। समाचारों में बताया गया है कि शैलेष अपने कॉन्ट्रैक्ट से नाखुश थे। साथ ही वो मेकर्स की इस बात से भी नाखुश थे कि वो उनकी डेट्स को सही तरीके से यूज नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्होंने शो को छोडने का फैसला लिया। हालांकि मेकर्स ने उन्हें मनाने की कोशिश भी की, लेकिन वो नहीं माने। शैलेष ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के पास पहुंचकर प्रोडक्शन कंपनी के खिलाफ धारा 9 के तहत एक कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी रेजोल्यूशन का मामला दर्ज कराया है, जिसकी सुनवाई मई में सुनवाई होनी है। मीडिया ने जब शैलेष से बातचीत करने की कोशिश की तो उन्होंने कहा- अभी मामला अदालत में है, इसलिए मैं इस पर कोई कमेंट नहीं करना चाहूंगा। वहीं असित ने ट्रैवलिंग का हवाला देते हुए इस मामले पर बात करने से इनकार कर दिया। ज्ञातव्य है कि शैलेष के शो छोड़े हुए करीब 1 साल का वक्त बीत चुका है, इसके बावजूद उनका आरोप है कि मेकर्स की तरफ से उन्हें पैसे नहीं मिले हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के प्रोजेक्ट हेड सुहेल रमानी ने मीडिया से कहा- हमने इसके बारे में पहले भी कहा था। शैलेष लोढ़ा एक फैमिली की तरह ही रहे हैं। जब वो चले गए तो हमने उनके फैसले का सम्मान किया। कई मौकों पर हमने उनसे ईमेल और फोन के जरिए कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की। हमने उनसे रिक्वेस्ट की, वो सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने के लिए ऑफिस आएं और पैसा लेकर जाएं। सुहेल ने आगे कहा- हमने उनका बकाया पैसा देने से कभी भी इनकार नहीं किया है। हर कंपनी में जब लोग निकलते हैं, तो उन्हें अपने फुल एंड फाइनल पेमेंट से पहले डॉक्यूमेंट्स पर साइन करना जरूरी होता है। मुद्दा कहां है? इधर-उधर जाकर शिकायत करने के बजाय, क्या केवल रेगुलर प्रोसेस को फॉलो करना बेहतर नहीं है? सुहेल ने आगे कहा- हम किसी भी मामले को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं, क्योंकि हमने उन्हें बकाया पैसा लेने और जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने के लिए पहले ही बताया था। करीब तीन महीने पहले सुहेल ने मीडिया से बातचीत में कहा था – शैलेष ने अचानक 2022 में बिना किसी नोटिस के शो को छोड़ दिया। इस वजह से मेकर्स और उनके बीच विवाद और बढ़ गया। बता दें कि अभी तक इस मामले पर शैलेष का रिएक्शन नहीं है। शैलेष के शो से जाने के बाद मेकर्स लंबे समय तक नए मेहता साहब को खोज रहे थे। मेकर्स की तलाश पूरी हुई, अब शैलेष की जगह शो में एक्टर सचिन श्रॉफ बतौर तारक मेहता नजर आते हैं। हालांकि इसके बावजूद तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के फैंस अपने पुराने मेहता साहब को मिस करते हैं।

द ब्रोकन न्यूज 2 में श्रिया पिलगांवकर का किरदार इंसाफ के लिए लड़ता नजर आएगा

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने द ब्रोकन न्यूज के दूसरे सीजन पर काम करना शुरू कर दिया है और शो के सेट से बीटीएस की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें जयदीप अहलावत और सोनाली बेंद्रे भी हैं। सीरीज में अभिनेत्री एक पत्रकार की भूमिका निभाती हैं। पहले सीजन में पत्रकार के चरित्र पर गलत आरोप लगाया जाता है, लेकिन दूसरे सीजन में वह उस व्यवस्था के खिलाफ अपनी पूरी ताकत से लड़ती हुई दिखाई देगी, जिसने उसे सबकी नजर में नीचे गिरा दिया था। उन्होंने कहा मेरा किरदार राधा एक धमाके के साथ वापस आ गया है और सिस्टम से लड़ने के लिए एक मिशन पर है, जिसने उस पर गलत आरोप लगाया। वह इस सीजन में बहुत अप्रत्याशित है कि वह आगे क्या करने जा रही है जो मेरे लिए इसे और अधिक दिलचस्प बनाता है। मैं सीजन 2 को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं द ब्रोकन न्यूज के सीजन 1 के लिए मिले प्यार से बहुत खुश हूं। इसमें एक स्तरित, मानवीय अन्वेषण है कि विभिन्न समाचार चैनल देश में दैनिक प्रवचन को कैसे कैप्चर करते हैं। सीजन 2 में कहानी और रोमांचक हो जाती है, जिसमें आप बहुत सारे ट्विस्ट की उम्मीद कर सकते हैं। हमारी लेखन टीम ने सीजन 2 में अलग-अलग थीम और कहानियों के साथ एक अविश्वसनीय काम किया है।

35 साल बाद फिर एक साथ कमल हासन और मणिरत्नम

गत वर्ष बॉक्स ऑफिस पर विक्रम के जरिये जबरदस्त वापसी करने वाले ख्यातनाम अभिनेता कमल हासन 35 साल बाद एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर इतिहास दोहराने की तैयारी कर रहे हैं। प्राप्त समाचारों के अनुसार कमल हासन और पोन्नियन सेल्वन को लेकर चर्चाओं में आए निर्देशक मणिरत्नम फिर से एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है मणिरत्नम ने पोन्नियन सेल्वन के बाद अपनी अगली फिल्म को कमल हासन के साथ बनाने की घोषणा की है। इस फिल्म को फिलहाल केएच234 के नाम से पुकारा जा रहा है। गौरतलब है कि इस बात की जानकारी कमल हासन ने गत वर्ष 6 नवम्बर को ही अपने एक ट्वीट के जरिये दी थी, जिसमें उन्होंने लिखा था कि चलो हम फिर से चलते हैं। एक तरफ जहाँ इन दो दिग्गजों के पुन एक साथ आने को लेकर बॉक्स ऑफिस उत्साहित हो रही है, वहीं दूसरी ओर इस फिल्म के साथ साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा को भी मणिरत्नम के साथ कमल हासन की फिल्म की टॉप कंटेंडर बताया जा रहा है। यह खबर तमिल फिल्म उद्योग में पिछले कुछ दिनों से चल रही है और प्रशंसक वास्तव में उत्साहित हैं। कमल हासन मणिरत्नम के साथ रिकॉर्ड 35 साल बाद फिर से जुड़ रहे हैं। 1987 में उलगनायगन ने मणिरत्नम के साथ आखिरी फिल्म नायगन में काम किया था। जिन लोगों को जानकारी नहीं है उनके लिए नायगन को हिन्दी में अभिनेता निर्माता निर्देशक फिरोज खान ने दयावान के नाम से रीमेक किया था, जिसमें विनोद खन्ना ने कमल हासन की भूमिका को अभिनीत किया था। ज्ञातव्य है कि कमल हासन मणिरत्नम की पत्नी सुहासिनी के चाचा भी हैं। केएच 234 में नयनतारा की प्रमुख महिला होने की खबर कई कारणों से बड़ी खबर है – यह पहली बार है जब नयनतारा कमल हासन के साथ काम कर रही हैं और यह भी पहली बार है कि वह प्रसिद्ध निर्देशक मणिरत्नम के साथ काम करेंगी। इसके अलावा, यह भी पहली बार है कि मणिरत्नम, कमल हासन और ए आर रहमान एक साथ काम करेंगे। यह बड़ी खबर भी है, क्योंकि ये तीनों अपने-अपने क्षेत्र निर्देशन, अभिनय और संगीत के दिग्गज हैं। रहमान ने कमल हासन के साथ केवल एक ही फिल्म – 2000 में तेनाली में काम किया है। एक अफवाह यह भी है कि तृषा को इस फिल्म में दूसरी नायिका के रूप में लिया जा सकता है, लेकिन अभी यह सब अटकलें हैं।

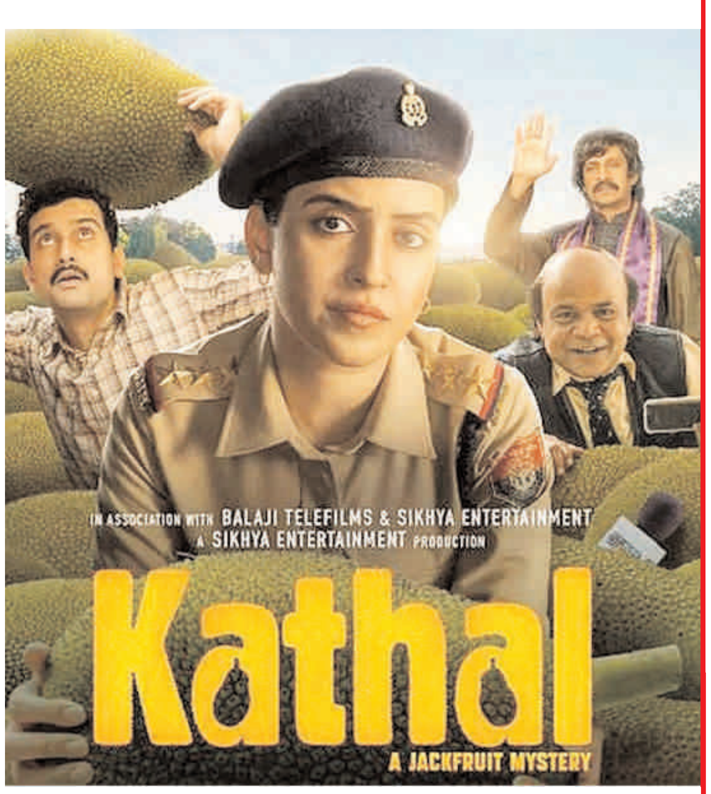

सान्या मल्होत्रा ने अपने होमटाउन दिल्ली से शुरू किया कटहल का प्रमोशन

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा जल्द ही फिल्म कटहल में नजर आने वाली हैं। सान्या ने कटहल के लिए दिल्ली में प्रमोशन शुरू कर दिया है। इस दौरान उन्होंने कॉलेज कैम्पस से गुरुद्वारे तक विभिन्न स्थानों का यादगार दौरा किया। अपने फन और मस्ती भरे प्रमोशन के पलों को साझा करते हुए उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी शेयर की है। इन तस्वीरों में सान्या मल्होत्रा गुरुद्वारे और कॉलेज कैंपस में नजर आ रही हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, मैं अपने होम ग्राउंड, दिल्ली में वापस आ गई हूं और अपनी आने वाली फिल्म कटहल को प्रमोट करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। उन्होंने लिखा, डीयू कैंपस में वापस आकर बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो रही हैं; नाटकीय क्लब के साथ बातचीत; मेरी फिल्म के टीजर का अनावरण और यहां तक कि एसआरसीसी मंच पर प्रदर्शन भी। सान्या ने लिखा, जैसे ही मैं इस बेहद खास फिल्म की रिलीज की उलटी गिनती शुरू की, मैं आप सब का आशीर्वाद मांगती हूं और यह भी उम्मीद करती हूं कि आप लोग इस फिल्म का उतना ही आनंद लेंगे, जितना मुझे इसकी शूटिंग के दौरान मजा आया है।

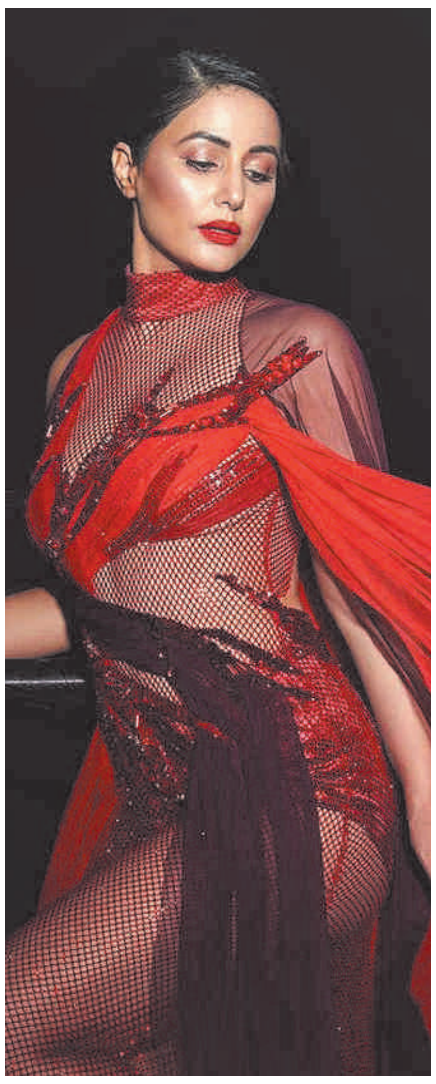

रेड जालदारी ड्रेस में फोटोशूट करवा हिना ने हिलाया इंटरनेट

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली हिना खान अपने लुक्स को लेकर भी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। वो अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक से अक्सर फैंस के होश उड़ा देती हैं। हाल ही में हिना ने जुहू के जेडब्ल्यू मैरियट में आयोजित हेलो हॉल ऑफ फेम अवॉर्ड्स में शिरकत की, जहां वह अपने रेड लुक से तहलका मचाती नजर आईं। इवेंट के बाद एक्ट्रेस ने इस ड्रेस में शानदार फोटोशूट भी करवाया, जिसकी तस्वीरें अब उन्होंने इंटरनेट पर शेयर की है। फैंस उनकी इन तस्वीरों को देख होश खो रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में हिना खान रेड कलर की जालीदार ड्रेस में बेहद हॉट लग रही हैं। इस बैकलेस ड्रेस में एक्ट्रेस किलर अंदाज में बोल्डनेस फ्लॉन्ट कर रही हैं। इस लुक को हिना ने रेड लिपस्टिक, मिनिमल मेकअप और लो बन के साथ कंप्लीट किया है। बता दें, हिना खान टीवी की दुनिया का एक जाना माना नाम हैं। वह कई सुपरहिट सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। टीवी शो के अलावा वह हैक्ड मूवी में भी नजर आ चुकी हैं।

परिणीति की राघव के साथ हुई सगाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा की डेटिंग की खबरें तो पहले से ही आ रही थीं। उनकी शादी भी तय मानी जा रही थी। अब दोनों ने सगाई करके इस दिशा में पहला कदम उठाया है। हाल ही में परिणीति को रिंग फिंगर पर सिल्वर बैंड पहने देखा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिणीति और राघव ने परिवार और करीबी रिश्तेदारों की मौजूदगी में एक पारंपरिक रोका समारोह में सगाई की। बताया जा रहा है कि दोनों इसी साल अक्टूबर के अंत तक शादी कर लेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि परिणीति शादी करने की जल्दी में नहीं हैं क्योंकि वह अपनी शूटिंग्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। दिलचस्प बात यह है कि परिणीति की चचेरी बहन प्रियंका चोपड़ा जोनास, जो जल्द ही स्ट्रीमिंग सीरीज सिटाडेल में दिखाई देंगी, अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में जियो मामी फिल्म फेस्टिवल के 23वें संस्करण में भाग लेने के लिए भारत आएंगी। काम के मोर्चे पर परिणीति इम्तियाज अली निर्देशित चमकीला में दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला से प्रेरित है।